amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 20
नागराज
और नगीना

नागराज और नगीना
नागराज सीरीज
नागतांत्रिका नगीना के पास हैं सहस्त्रों बरस प्राचीन ये अण्डे, जिनकी बदौलत अब वह बनेगी विश्व-सम्राज्ञी!
??
अण्डों की बदौलत, विश्व-सम्राज्ञी? यह क्या कह रही है नगीना!
1071
लेखक :- तरुण कुमार वाही
कलानिर्देशन: प्रताप मुळीक © चित्र: चंदू

मकड़ास्वादू! बिच्छूधड़ा और केकड़ाकंट!
नागमणी द्वीप की अत्यन्त क्रूर खतरनाक, जहरीली व घातक जातियों के सम्राट! जो अब साथ थे नगीना के—
नगीना! तुम्हारे विश्वसम्राज्ञी बनने के इस अभियान में हम तुम्हारे साथ हैं, किंतु तुम्हें अपना सम्राट हममें से ही किसी एक को चुनना होगा!
मैं मकड़ास्वादू से सहमत हूं!
मैं भी!
तो फिर सुनो! तुम्हारे लिए मैं रचूंगी स्वयंवर! शर्त होगी नागराज का सिर!
तुममें से जो मेरे पास नागराज का सिर लायेगा, वह बनेगा विश्व-सम्राज्ञी का सम्राट! किंतु ध्यान रहे, नागराज को स्वयंवर की इस शर्त की भनक न लगे!
मंजूर
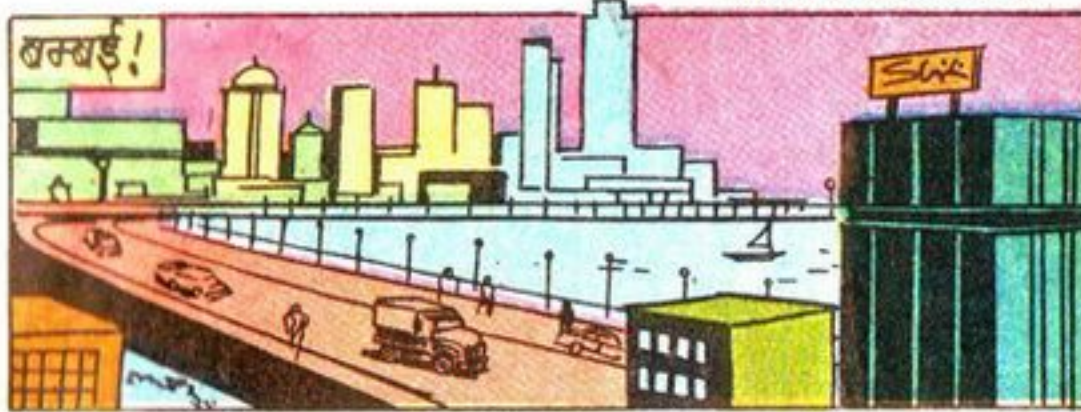
बम्बई!
SAHIR
नागराज ने विसर्पी के साथ कुछ समय व्यतीत करने का निश्चय किया था!
बम्बई कैसा लग रहा है, विसर्पी?
बहुत खूबसूरत शहर है नागराज! किंतु मेरा यहां बसने का कतई विचार नहीं है!
नागमणि द्वीप के विकास के लिए द्वीप पर कम से कम तुम्हारा शिक्षित होना आवश्यक है विसर्पी, इसलिए मैं तुम्हें बम्बई लाया!
तुम्हारी शिक्षा समाप्त होते ही तुम्हें वापस नागमणि द्वीप ही जाना होगा!
BAR
"बीच" पर समुद्र की लहरों के साथ ही थिरक आया वह विशाल अण्डा—
सैलानियों के मौज मस्ती के उन क्षणों में आ जुड़े अति-रोमांच के वे क्षण भी---
इतना विशाल अण्डा?
मम्मी, क्या ये अण्डा बतख का है?
नहीं बेटे! बतख इतना बड़ा अण्डा कैसे दे सकती है!
तब फिर यह कछुवे का होगा!
पर यह आया कहां से?
मैंने इसे समुद्र की लहरों के साथ थिरक कर आते देखा!
उफ! पत्थर सी सख्त है इसकी परत!

शीघ्र ही टूटने लगी पाषाण सी वो सख्त परत—
कड़ कड़...कड़
कड़ क ड़ ड़
क...
आश्चर्य व भय मिश्रित भाव लिए फैल गई उपस्थित सैलानियों की आंखें—
ओ माई गॉड! यह तो ट्रायनोसोर का बच्चा है!
ट्रॉयनोसोर? आज के युग में असम्भव!
असम्भव सम्भव हो चुका है! यह निश्चित रूप से ट्रायनोसोर का बच्चा है!
बच्चों के लिए यह अद्भुत मनोरंजन था—
यह किसी को कुछ नहीं कह रहा! कितना अच्छा है ये!
पापा! मैं इसपर सवारी करूंगा!
ये मेरे साथ फुटबॉल खेलेगा!
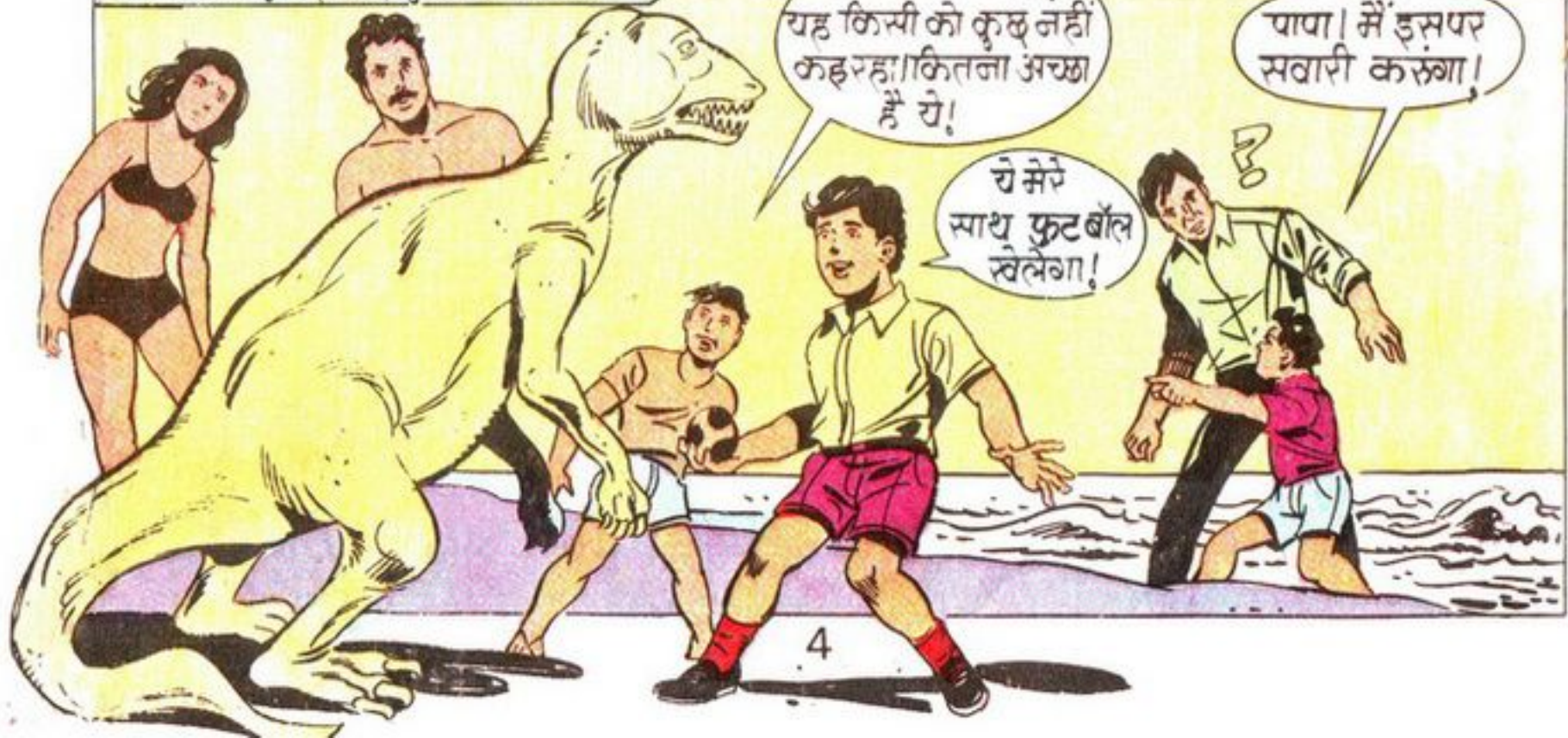
आश्चर्य का झटका लगा नागराज और विसर्पी को भी —
उफ! नागराज! यह कैसा जीव है?
विसर्पी! यह पृथ्वी पर लाखों साल पूर्व पाया जाता था! इसे ट्रायनोसोर कहते हैं!
किंतु आज के युग में ट्रायनोसोर का आगमन विश्व का आठवां आश्चर्य होना चाहिए!
मगर यह दृश्य केवल बम्बई के ही सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र नहीं बना हुआ था -
उफ! न्यूयार्क में कहां से आ गया डायनोसोर का ये बच्चा!
फ्रांस —
ऐफिल-टॉवर देखने आया है क्या ये ब्रोंटोसोर?
विश्व के एक आश्चर्य के सामने दूसरा महान आश्चर्य!
डिज्नीलैंड...
डायनोसोर! डायनोसोर!
अफ्रीका —
लाखों वर्षों पूर्व इनका अस्तित्व समाप्त हो चुका है, कहां से आ गया धरती पर ये पैलोसाइडनस

विश्व में एकाएक उत्पन्न हुए इस आश्चर्य पर फिलहाल 'चिड़िया घरों' का आधिकार हो गया—
आजके युग में जीता जागता ट्रायनोसौर देखने को मिलेगा, यह तो कभी न सोचा था।

जीव-वैज्ञानिकों की कई टोलियां निकल पड़ीं उस आश्चर्य का रहस्य जानने—
क्रियां

दैत्य जीवों के इतिहास के मुताबिक ये ट्रायनोसोर हिंसक व मांसाहारी थे!
किंतु फिलहाल इसमें ऐसी कोई बात दिखाई नहीं पड़ रही!

रोज़ी! रोज़ी गुंज़ालवेज़! इसकी नसों से थोड़ा रक्त ले लो, इसके रक्त परीक्षण के पश्चात इसके जिस्म की कार्यप्रणाली को समझने में हमें कुछ मदद मिलेगी!
यस सर!

और बस! जैसे गजब हो गया—

उफ्फ!
ओह

चीख पड़ा वह जीव-वैज्ञानिक—
उनकी मदद के लिए तुरंत ही आ पहुंचे चिड़ियाघर के गार्ड्स—
आप... आप ठीक तो हैं न मि. परांजपे?
आह
मि. परांजपे को तुरंत ही दिया गया वह इंजेक्शन—
घबराने की कोई बात नहीं है! इस इंजेक्शन से इस जीव के काटे का विष प्रभाव नहीं होगा!
उफ! इंजेक्शन की सुई ने उसे कुपित कर दिया है!
अगले ही दिन बम्बई चिड़िया घर से आरम्भ हुआ वह हंगामा—
ट्रायनोसोर तीन व्यक्तियों को मौत के घाट उतारकर बाड़े से निकल भागा है! रोको उसे!
दर्शकों की भीड़ की भीड़ टूटी पड़ रही थी चिड़ियाघर में उसे देखने के लिए—
ZOO
न जाने फिर कब मिले ट्राय-नोसोर को देखने का अवसर!
ट्रायनोसोर आ पहुंचा था दशकों के बीच।
ट्रायनोसोर

बच्चे प्रसन्नता से किलकारियां भरते लपके चिड़ियाघर के उस नये मेहमान की ओर, जो पिंजरा तोड़ भागा था—
ट्रायनोसोर! हम तुम्हारे साथ खेलने आए हैं!
मैं तुम्हारा फोटो भी लूंगा ट्रायनोसोर!
आतंक फैल गया क्षणभर में ही—
नहीं रुक जाओ। दूर हट जाओ। ट्रायनोसोर से। उसके मुंह मानव खून लग गया है!
क्रियां
??
आह! मम्मी
किंतु इसका क्या करें, कि गार्ड्स की चेतावनी बच्चों की भीड़ के शोरगुल में गुल होकर रह गई और—
प... पिशाच है ये तो!
ईऽऽऽ

खलबली मचा दी उस दैत्य जीव ने, लाखों बरस पूर्व था जिसका पृथ्वी पर एक छत्र राज—
भागो!
मौत का सामना करने के लिये आये थे क्या हम यहां?
भीड़ के धक्के खाकर गिर पड़ी थी वो मासूम बच्ची—
मां
आह
शैतान के खूनी जबड़े उसकी ओर बढ़े—
और तभी—
मासूम बच्चों पर शैतान अपने जबड़ों की मजबूती परख रहा है!
क्रोधित दैत्य जीव ने नागराज को भी टक्कर जड़ दी—
ओह
बच्ची को सुरक्षित छोड़कर पलटा नागराज, और—
तेरे जन्म के समय से ही मैं तेरे विषय में सोच रहा था शैतान जीव बच्चे!
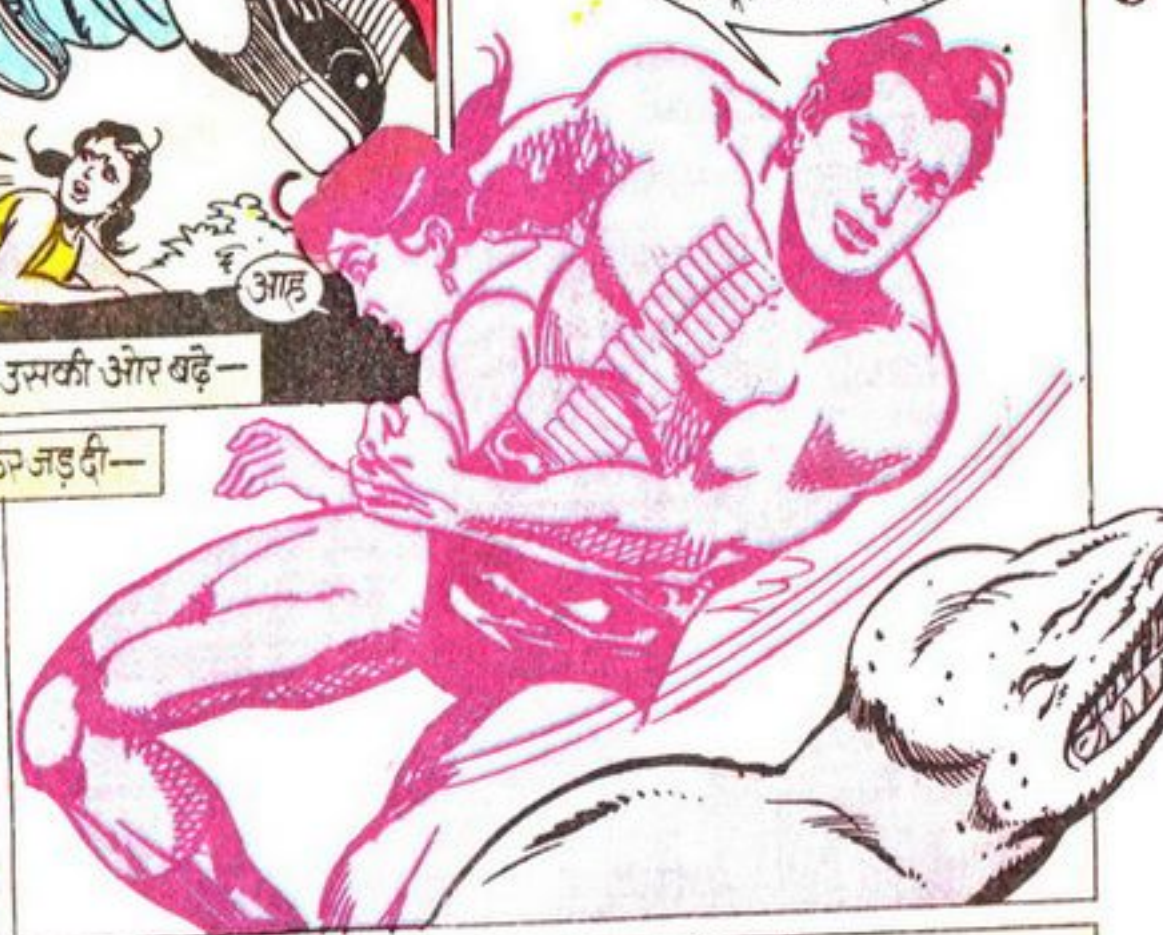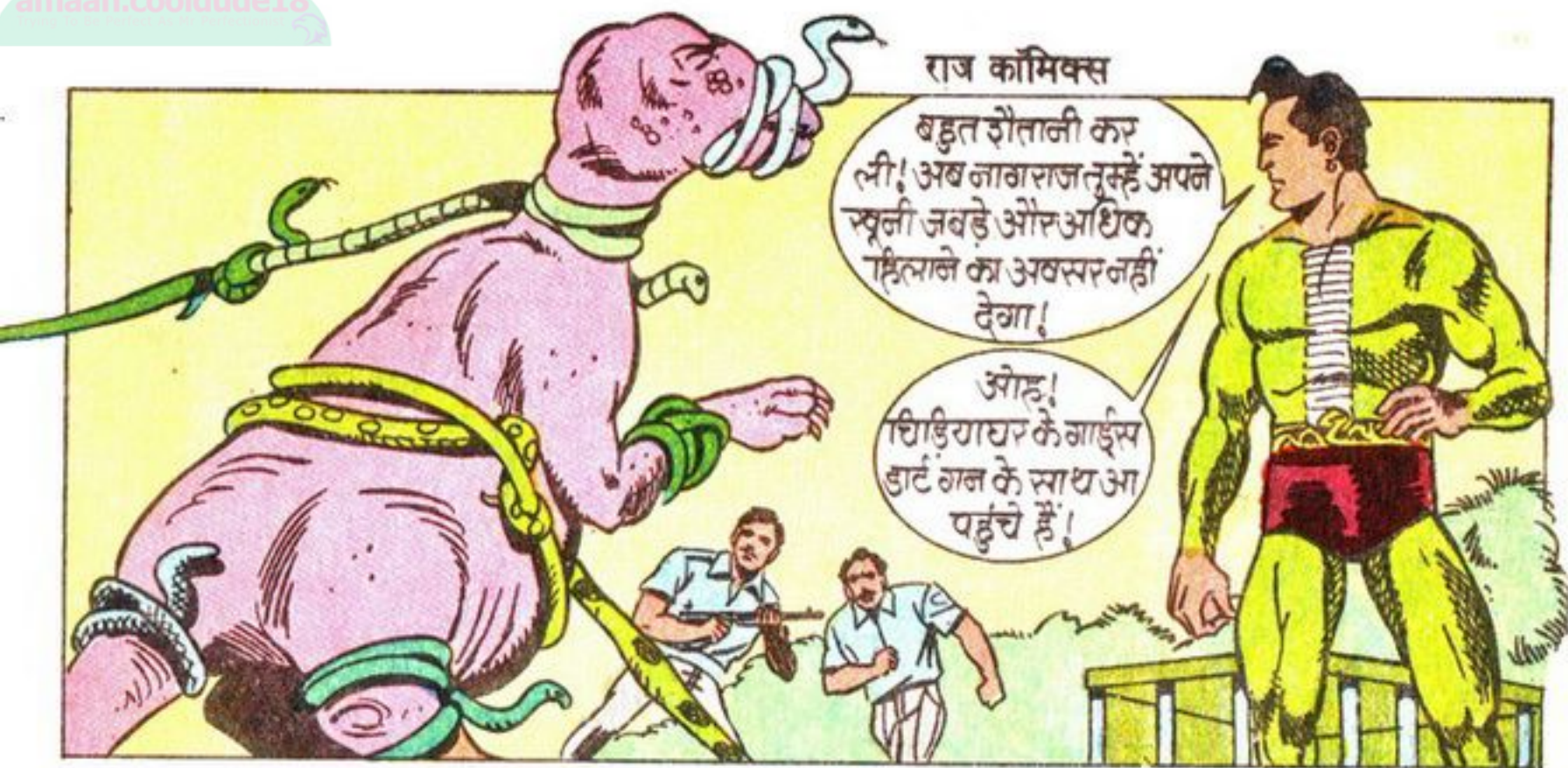
बहुत शैतानी कर ली! अब नागराज तुम्हें अपने खूनी जबड़े और अधिक हिलाने का अवसर नहीं देगा!
ओह! चिड़ियाघर के गार्ड्स डार्ट गन के साथ आ पहुंचे हैं!
डार्ट-फायर ने कुछ ही देर में मूर्च्छित कर दिया ट्रायनोसोर को—
ब्लूssक
नागराज! तुम समय पर न पहुंचते तो ये दैत्यजीव अभी और खूनी हंगामा मचाता!
नागराज के सर्प वापस समा चुके थे उसके जिस्म में!
भीड़ से घिर गया नागराज—
तुम महान हो नागराज! मेरी बच्ची को एक नई जिन्दगी दी है तुमने!
सुपर हीरो नागराज!
नागराज! स्माइल प्लीज!
टेण टेन टेणेन
चमक से चुंधिया गई इसी पल सबकी आंखें!
यह क्या?
यह क्या?
ओह! इतना तीव्र प्रकाश?

किसी ने सच ही कहा है कि मुसीबत अकेली नहीं आती—
ट्रायलोसोर! इसे क्या हुआ?
भौंचक्का सा खड़ा देखता रह गया नागराज उस दृश्य को—
उफ!
अकेले नागराज की ही क्यों, उपस्थित प्रत्येक शख्स की आंखें हैरत से फटी थीं!
ट्रायलोसोर रेत के ढेर में बदल गया! कैसे?
कैसे?
नागराज को प्रतीक्षा थी ऐसे ही किसी क्षण की—
नागराज! देखो मेरे शस्त्र चीरचला की अनोखी ताकत!
केकड़ाकंट? यह शैतान यहां कहां से आ पहुंचा?
एक खूनी हंगामे के आसार साफ-साफ दिखाई पड़ रहे थे—
अब यहां छिड़ेगा संग्राम! खिसक लेने में ही भलाई है!
पापा! नागराज उसे चुटकियों में मसल डालेगा, हम यह जंग जरूर देखेंगे!
नहीं बेटे! अच्छे बच्चे लड़ाई झगड़ों में नहीं पड़ते!
केकड़ाकंट गरज पड़ा—
ठहरो! कोई अपने स्थान से इंच भर भी नहीं हिलेगा!

जैसे फेविकोल से चिपक गए सबके पांव!
हा हा हा हा! नागराज की खौफनाक मौत का दृश्य आज सभी देखेंगे! इस जंग के अंत से पूर्व अगर कोई अपने स्थान से हिला तो अपनी मौत का वह खुद जिम्मेदार होगा!
शैतान के चीरचला में ऐसी अनोखी शक्ति कहां से आ गई?
नागराज! चीरचला के वार से बचना! इससे छू गए तो तुम्हारा हश्र भी उस डायनोसोर जैसा होगा!
यह सच कह रहा है! मुझे सच-मुच बचना पड़ेगा इसके वार से!
केकड़ाकंट ने लगाया भयानक अट्टहास, और किया वार—
बचा नागराज! बचा केकड़ाकंट का ये वार!
नागराज तो स्वयं को बचा गया—
किंतु रीछ का वह पिंजरा भरभराकर बिखर गया—
यह रीछ उपस्थित जनसमूह पर आक्रमण कर सकता है!
गार्रर्र
स्वतंत्र हो चुका रीछ कोई उत्पात मचाता, उससे पहले ही नागराज ने उसे जकड़ दिया अपनी सर्परस्सी के साथ—
फुस्स
फिस्स
गार्रर्र
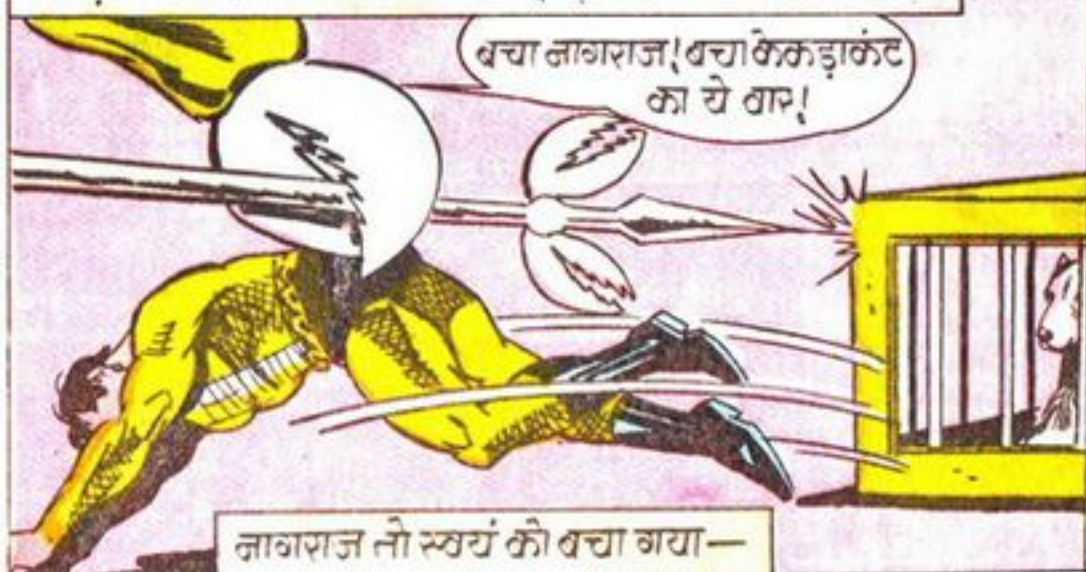
रीछ को जकड़ने से तेरा क्या भला होगा नागराज! मुझे जकड़कर दिखा अपनी इस सर्प-सेना से!
...और फिर तुम्हारे बाद मकड़ा स्वाद... बिच्छूधड़ा और नगीना को भी!
केकड़ा कंट! कब से तुम्हारी तलाश है मुझे! मैं तुम्हें भी जकड़ूंगा...
नगीना! उफ!
क्या सोचकर बुरी तरह से चौंक पड़ा था नागराज?
हा हा हा! भेज! और भेज नागराज! हा हा हा...
असीमित थी चीरचला की शक्ति—
...इतने भेज कि बम्बई में दूर-दूर तक दिखाई पड़े तेरे सर्प-सैनिकों का रेगिस्तान! हा हा हा!
उस खूनी जंग को दम साधे देख रहे थे नागराज के शुभ चिन्तक व प्रशंसक!
उफ, नागराज इतनी देर क्यों लगा रहा है केकड़ाकंट को समाप्त करने में!
नागराज का एक 'पंच' इसकी बत्तीसी झाड़ देगा! मगर नागराज वह पंच कब मारेगा?
NAGRAJ

नागराज को यह क्या सूझी—

वक्त की नजाकत कहती है प्यारे नागराज कि मौजूदा परिस्थितियों में तुम्हारा यहां रहना तुम्हारी सेहत के लिए हानिकारक है!

केकड़ाकंट चौंक पड़ा—

नागराज भाग गया!

केकड़ाकंट और नागराज की उस खौफनाक जंग का 'क्लाइमेक्स' देखने को तरसती आंखें भी हतप्रभ रह गईं—

नागराज युद्ध में पीठ दिखाकर भाग गया!

नागराज ने यह क्या किया?

हमारा सुपर हीरो। हमारा ब्रेवो नागराज... कायर! उफ!

...किंतु महात्मा कालदूत! केकड़ाकांड, मकड़ा स्पाइड़ और बिच्छू बुड्ढा के साथ शायद एक बार फिर मैदान में आई है नागानांत्रिका नगीना जिसके तंत्र-मंत्र से टक्कर लेने के लिए मुझे फिर से आवश्यकता है, उन पांचों शक्तियों की जिन्होंने नगीना का जाल तोड़ने में कंधे से कंधा मिलाकर मेरा साथ दिया था...
वे पांच शक्तियां... ...यानी सिंहनाग, नाग-प्रेती, सर्पराज, नागदेव और नागार्जुन की!
...वत्स नागराज!
महात्मा कालदूत एकाएक गम्भीर हो उठे—
...और बोले—
...इस समय उन पांचों की ही मदद तुम्हें नहीं मिल सकती। वे पांचों इस समय एक साधना में लीन हैं। किंतु मानवता की रक्षा के लिए मैं तुम्हें तीन ऐसे महाशक्तिशाली शस्त्र दूंगा, जो आवश्यकता पड़ने पर तुम्हारा साथ देंगे...
..और वे तीन शस्त्र हैं...
किंतु तुम उन शस्त्रों का प्रयोग अपनी समस्त शक्तियों के असफल हो जाने के पश्चात् ही करोगे!
नागराज तुम्हारा काम खत्म होने के बाद ये तीनों शस्त्र जब तुम चाहोगे, तुरंत मेरे पास पहुंच जायेंगे।
त्रिशूल
नागदण्ड!
...और कालसर्पी

नागराज ने नागमणि द्वीप से कूच किया—
महात्मा कालदूत का आशीर्वाद त्रिशूल ... नागदण्ड और कालसर्पी! अब मैं नाग-तांत्रिका नगीना, केकड़ाकंट, बिच्छूधड़ा और मकड़ासम्राट से टकराने के लिए तैयार हूं!
गेटवे ऑफ इण्डिया, बम्बई—
केकड़ाकंट को बम्बई वासियों के सामने ही मारूंगा मैं!
अभी कुछ ही कदम आगे बढ़ा था नागराज कि—
ओह! ऐसा तीव्र प्रकाश तो ...
तुमने ठीक पहचाना नागराज! मैं अभी बम्बई में ही हूं! तुम्हें समाप्त किए बिना मैं यहां से चला भी कैसे जाता!
केकड़ाकंट! समझ ले यह लड़ाई वहीं से दोबारा शुरू हुई ... जहां मैं इसे छोड़कर चला गया था। सबके सामने नागराज को मारने का अरमान अब पूरा कर केकड़ाकंट!
ओह!
केकड़ाकंट ने पुनः जुटाली उस जंग के लिए दर्शकों की भीड़—
नागराज! मैं तुझे इस गेटवे ऑफ इण्डिया के साथ रेत के ढेर में बदल दूंगा!

इसे रोका न गया तो ये शैतान राष्ट्र की धरोहर "गेटवे ऑफ इण्डिया के परखच्चे उड़ा देगा!
नागराज मुझे रोकने मेरे निकट अवश्य आयेगा, और तब मैं उसे समाप्त कर दूंगा!
सर्प-रस्सी पर झूलता नागराज केकड़ाकंट की आशा के विपरीत कुछ जल्दी ही आ गया—
ओह!
और जब तक सम्भलकर केकड़ाकंट पुनः नागराज की ओर बढ़ा—
कार का यह दरवाजा ढाल की तरह इसके एक वार को तो बेकार करेगा ही!
केकड़ाकंट ने बेहद फुर्ती के साथ चीरचला का वार नागराज पर किया! नागराज ने उससे भी अधिक फुर्ती दिखाते हुए रोका वार को—
ओह!
तड़ाक
नागराज के हाथों से वह ढाल निकल गई—
गई ढाल!
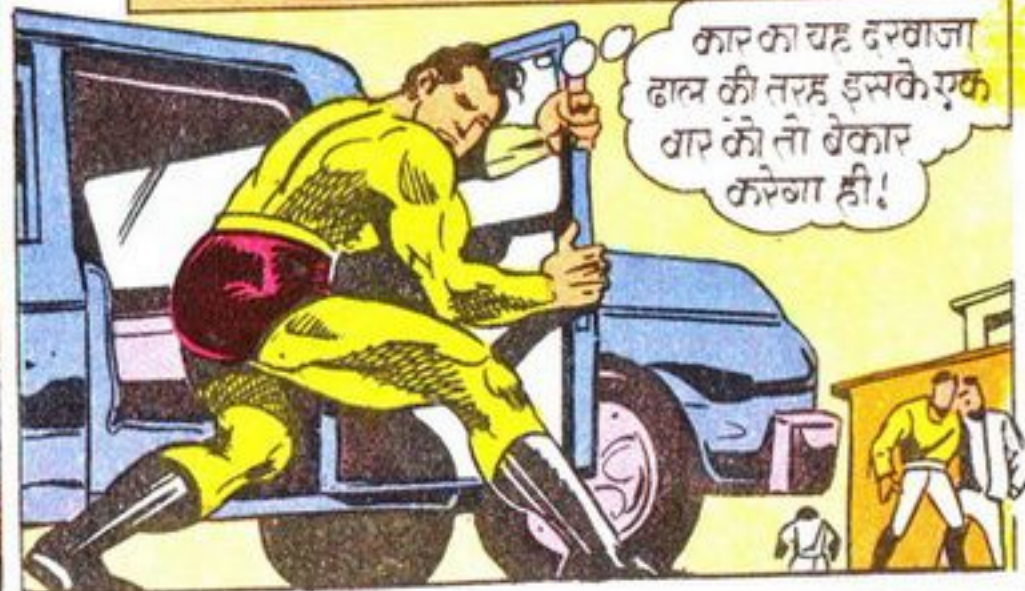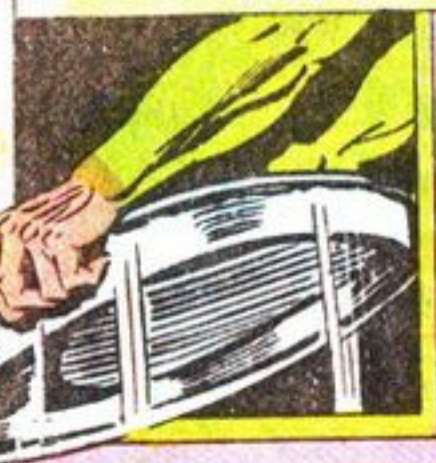
और अब नागराज के पास महात्मा कालदूत की शक्ति के अलावा और कोई रास्ता न बचा था उस महाविनाश को रोकने का—

जय महात्मा कालदूत! त्रिशूल!

नागराज! चीरचला की शक्ति का मुकाबला इस त्रिशूल से करेगा? हा हा हा!
इस त्रिशूल की ताकत का अंदाजा तुझे जब तक होगा केकड़ाकंट, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी!
देख अभी तेरा यह त्रिशूल रेत के कणों में बिखर जायेगा नागराज!
अगर ऐसा ही हुआ तो नागराज स्वयं अपना सिर काटकर तुझे दे देगा केकड़ाकंट!
महात्मा कालदूत की शक्ति और केकड़ाकंट का चीरचला टकरा गए भीषण विस्फोट का स्वर उत्पन्न करते—
कड़ कड़ाऽऽऽमऽ
केकड़ाकंट की आंखें विस्फारित अंदाज में फैल गई—
यह क्या? इसके त्रिशूल पर नहीं चली चीरचला की शक्ति!
ओह! अब समझ में आया! इस शक्ति को हासिल करने के लिए ही ये, लड़ाई बीच में छोड़कर भाग गया था! उफ!
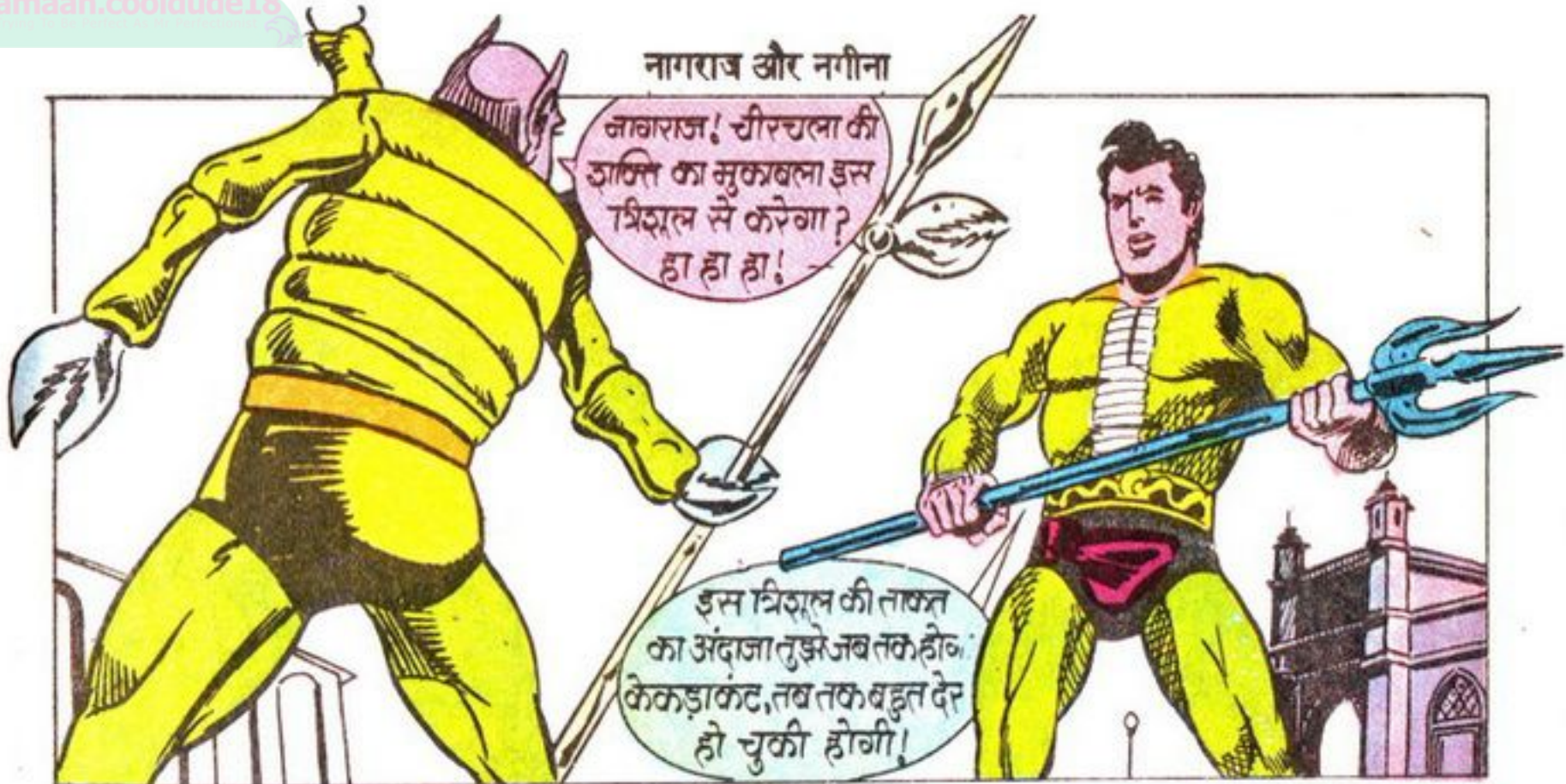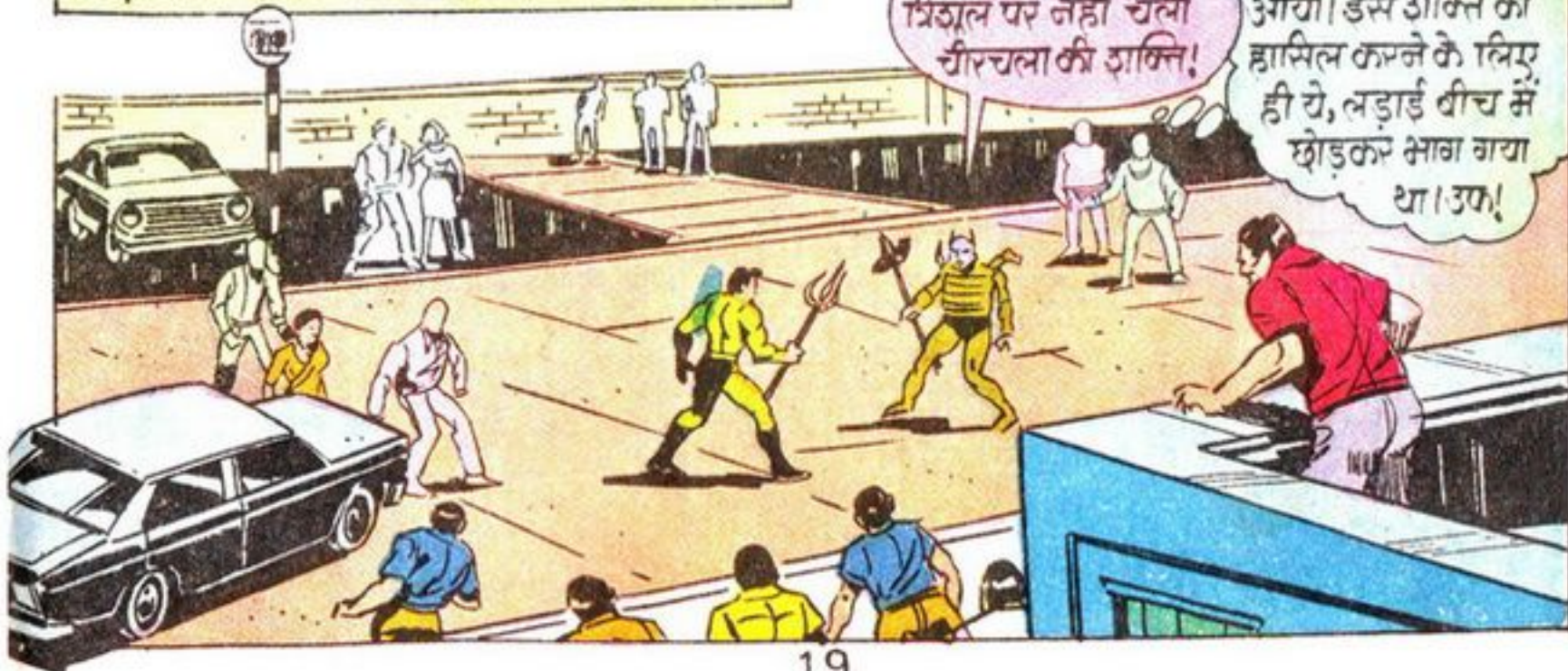
क्रोध से पागल होकर केकड़ाकंट नागराज पर झपटा—
नागराज! मैं तुझे जीवित नहीं छोड़ूंगा। मेरे विश्व-सम्राट बनने के लिए तेरा खत्म होना आवश्यक है!
नागराज ने एक तीव्र ठोकर जड़ दी उसकी कलाई पर—
आऊ
नागराज ने किया वह शक्तिशाली 'पंच' जिसकी कि दर्शकों को कब से प्रतीक्षा थी—
अब तेरा अंत सारी दुनिया देखेगी केकड़ाकंट!
कड़ाक
रेत के ढेर में बदल गया केकड़ाकंट।
बेचारा केकड़ाकंट! पता भी न चल सका कि रेत के वे कण कौन-कौन सी दिशा में उड़ गए—
केकड़ाकंट के साथ ही तबाह हो गई चीरचला शक्ति भी...
इसी क्षण नागराज के हाथों से त्रिशूल भी गायब हो गया।
और—
नागराज
नागराज
नागराज! क्या ये सच है कि चिड़ियाघर में केकड़ाकंट से अपने प्रथम युद्ध के दौरान तुम युद्ध बीच में छोड़कर भाग गए थे?
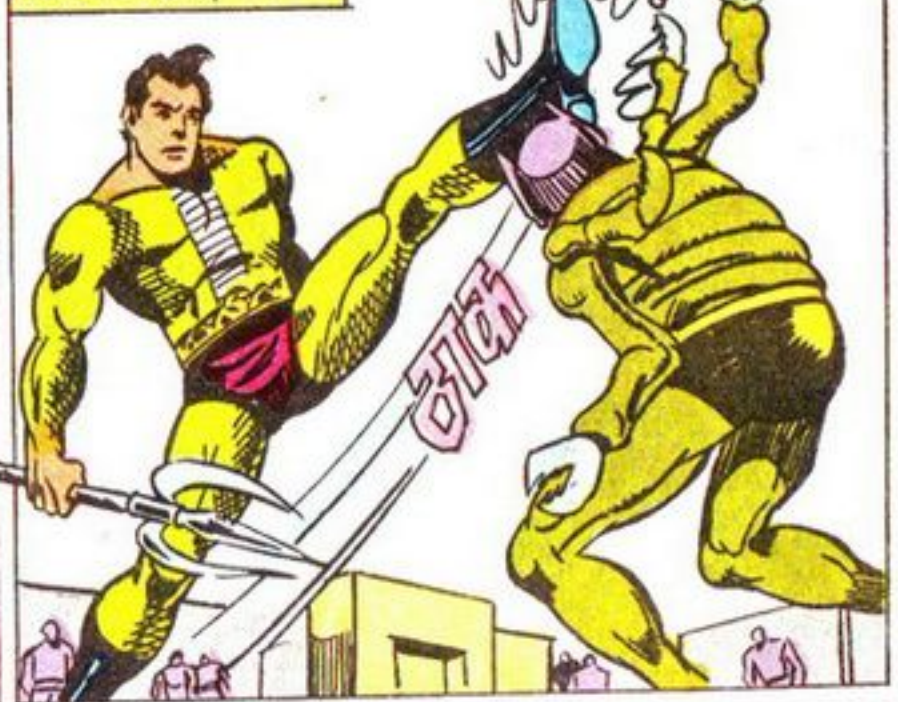
हां! जंग में जीत व दिमाग से काम लेना चाहिए मेरे नन्हे मित्र!
ओह!
फ्रान्स की राजधानी पेरिस–
विश्व के महान् आश्चर्य एफिल-टॉवर पर ये कैसे पर्यटक!
क्रियां
क्रियां
अब ये आये थे विकराल आकार में।
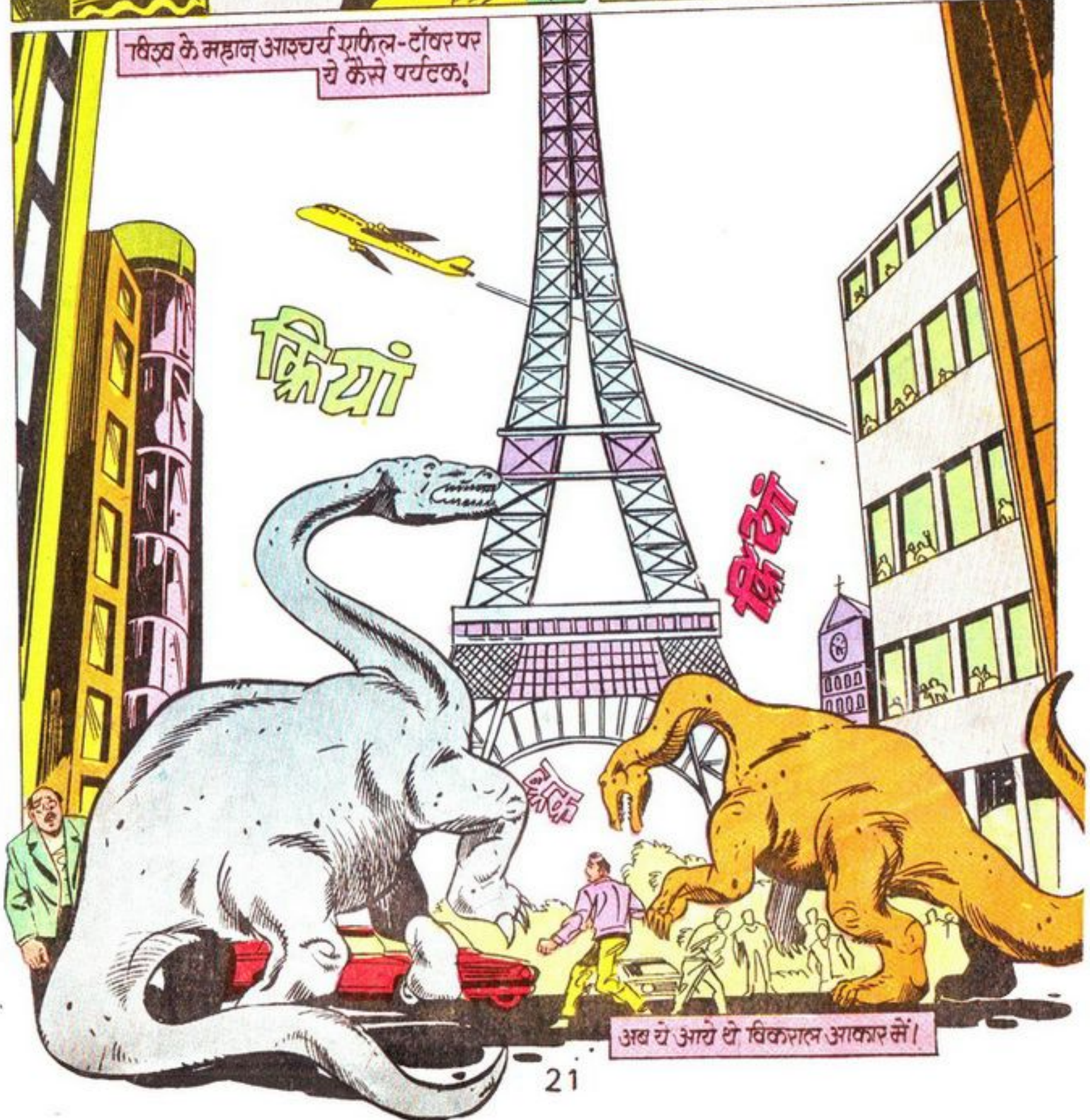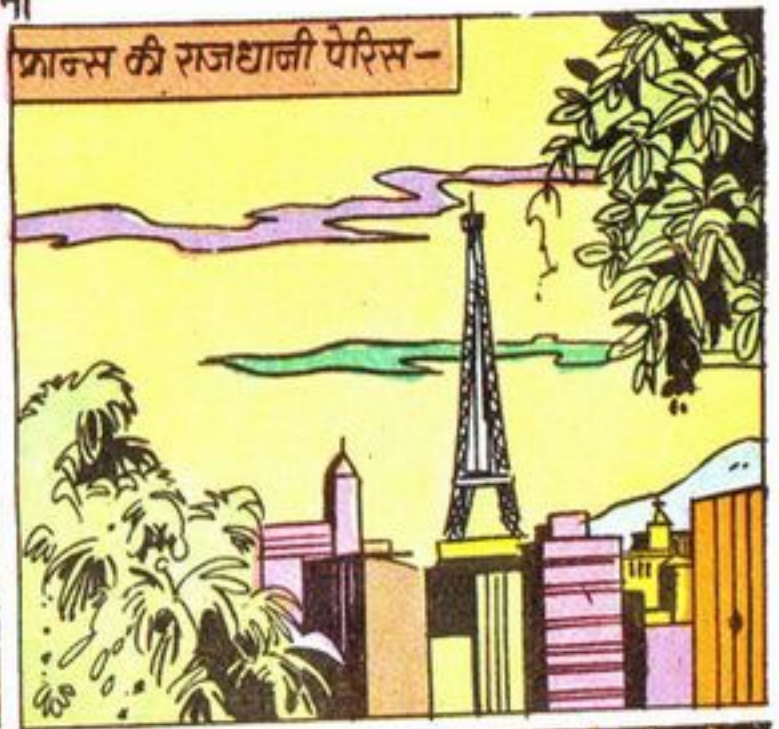
मानव पर्यटकों में खलबली मचना स्वाभाविक था—
उफ! डायनोसोर जाति के विशाल दैत्यजीव?
तबाही मचा देंगे ये!
कैसे रुकेंगे ये?
विश्व का महान आश्चर्य खतरे में था—
उफ! दैत्यजीव डायनोसोर! कहीं ये एफिल टॉवर को ध्वस्त न कर दें!
पल भर में सनसनी फैल गई पूरे पेरिस में—
दैत्यजीव डायनोसोर एफिल टॉवर की ओर बढ़ रहे हैं!
किंतु इन्हें केवल BULLETS के दम पर नहीं रोका जा सकता!
उन्हें रोकना होगा!
पेरिस से यह विस्फोटक खबर फैली फ्रांस में, और फिर जंगल की आग की तरह सम्पूर्ण विश्व में इसे फैलाया B.B.C. ने—
डायनोसोर
खूनी डायनोसोर पेरिस में!
आतंक—
सिर्फ आतंक...
क्रियांऽऽऽ
आह
ईई
आह उफ!
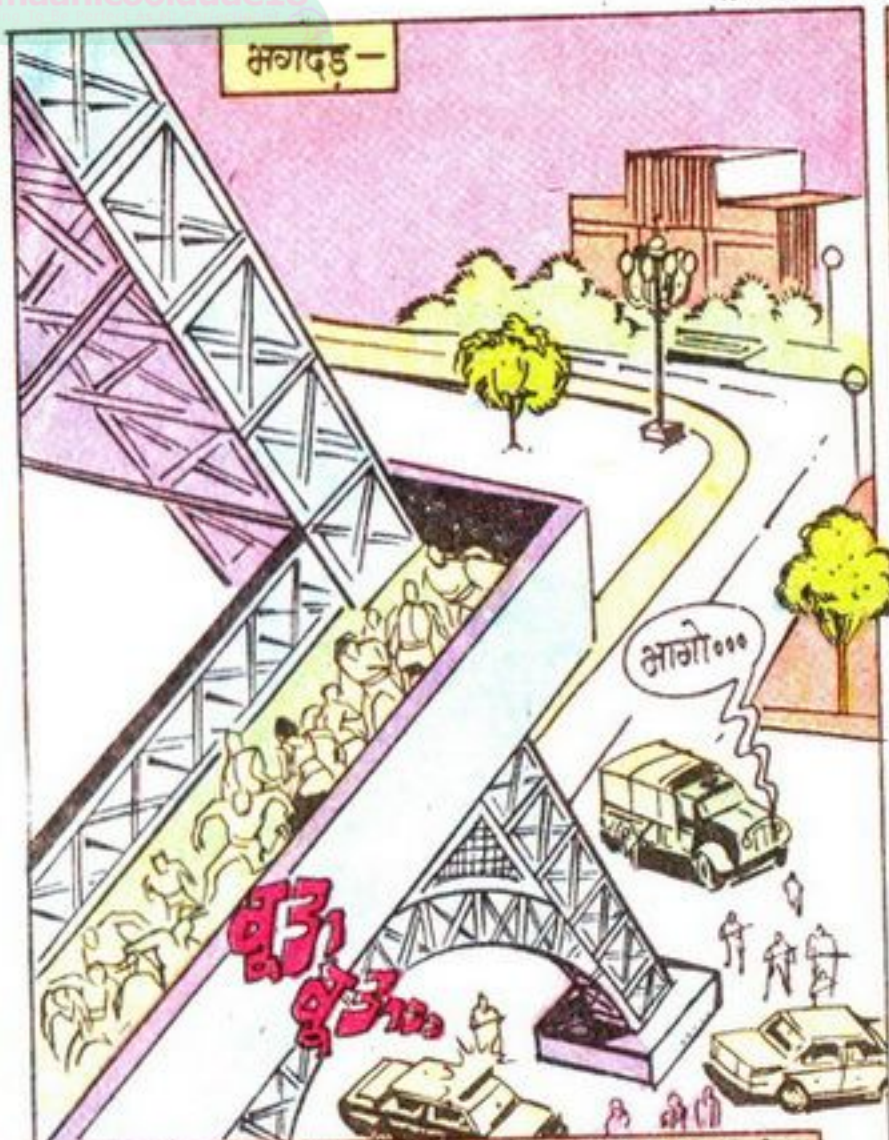
भगदड़—
भागो...
बूऊ, बूऊऊ...
पुलिस की कई गाड़ियां उसी पल आ पहुंची थीं वहां—
अंधाधुन्ध बरसी गोलियां! हजारों-हजार—
STAY BACK YOU BASTARDS!
गोलियों से कुछ न बना तो बरसे गोले—
बूऽऽम
समा गया एक गोला जीवदैत्य के खुले हुए मुंह से उसके पेट में—
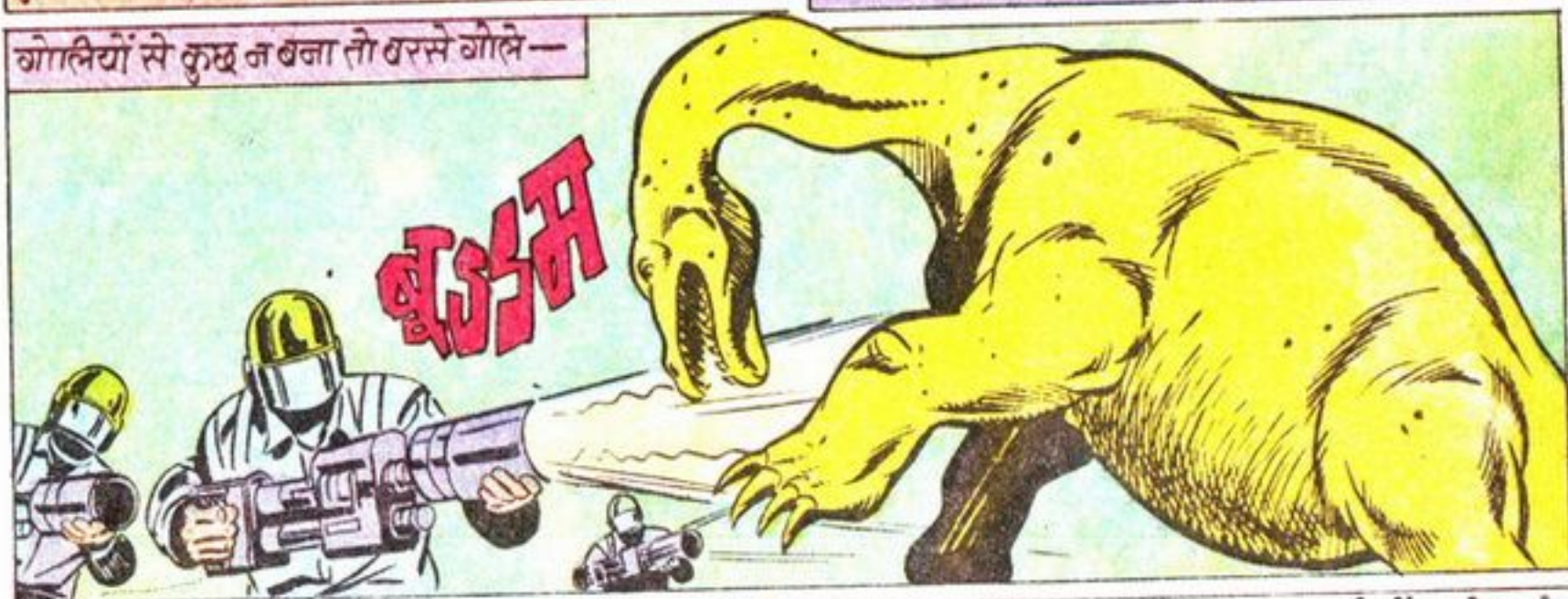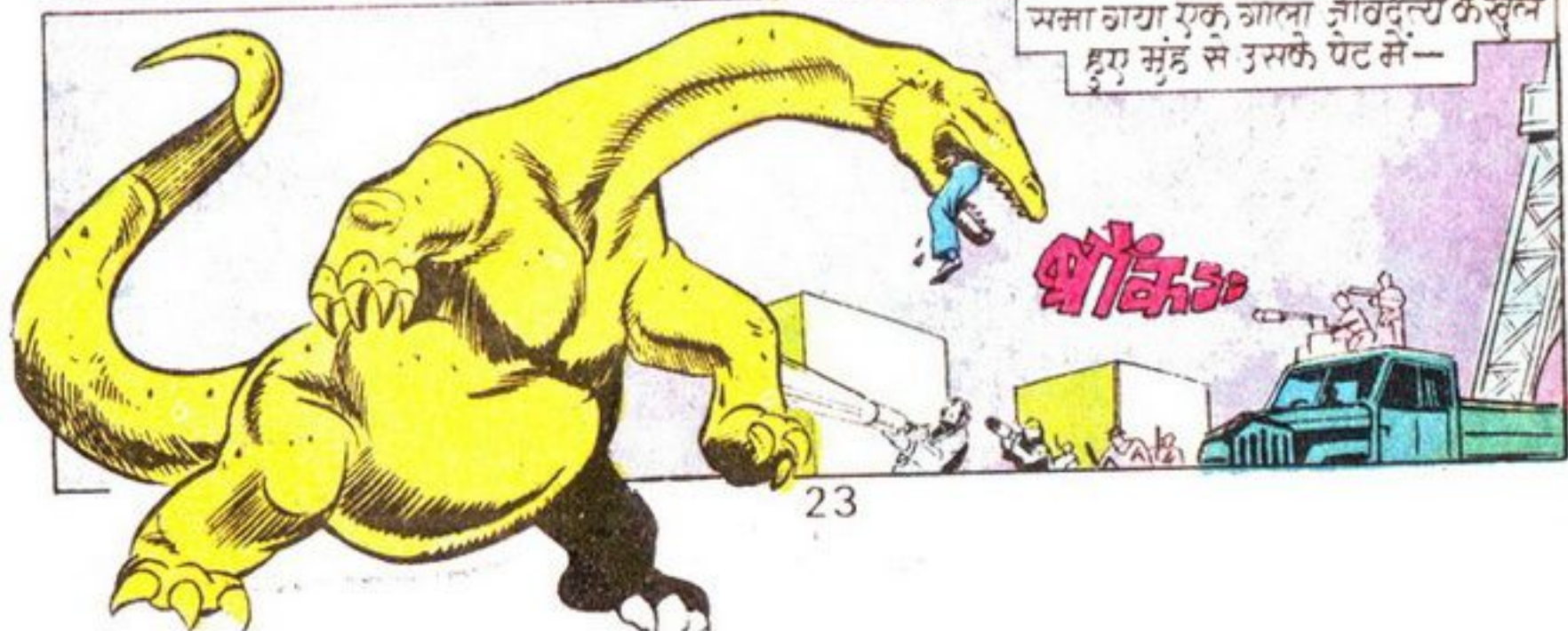
शैतान के पेट में फटने के बाद भी प्रचण्ड विस्फोटक बेअसर हो गया—
जीवदैत्यों का तहलका—
स्मोक बम फेंको!
बेअसर हो गए सभी उपाय! तबाही निश्चित थी क्या?
आक
एफिल-टॉवर पर चढ़े दर्शकों की सांसें गले में अटकी थीं-
हमें देखकर उत्तेजित हो रहा है वो डायनासोर!
एफिल-टॉवर को गिरा देगा ये अपनी भयानक टक्करों से!
धड़ाक
विश्व का एक महान आश्चर्य खण्डहर होने जा रहा था। लगी थीं सैकड़ों जिन्दगियां भी दांव पर—
आह
बचाओ
बचाओ
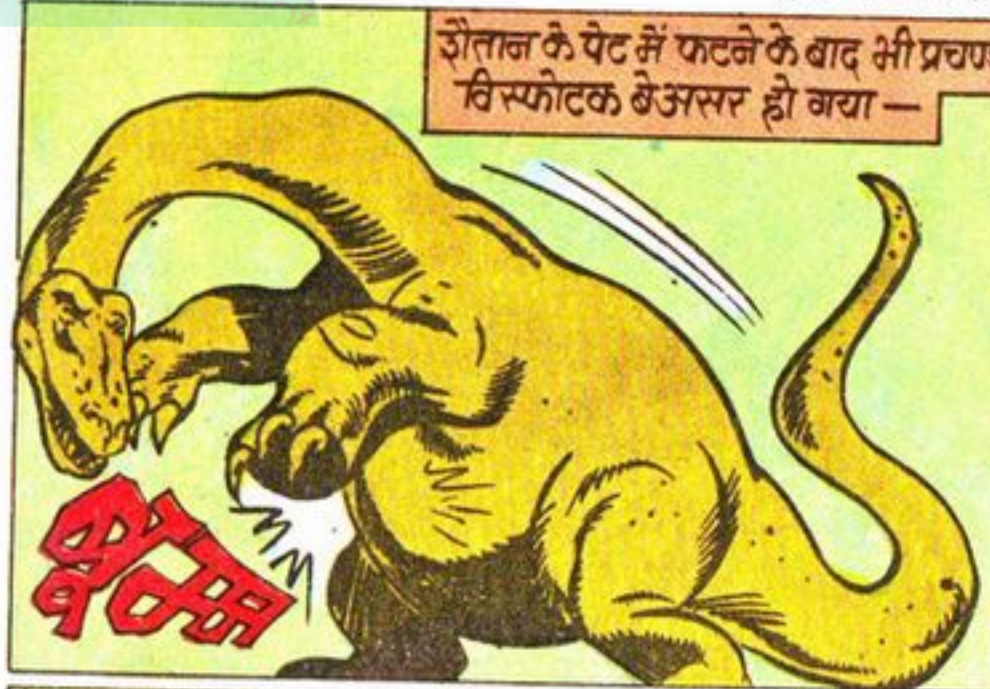
फरिश्ते की तरह आ पहुंचा वहां नागराज!

तुम्हारे विषय में सुनते ही मैं चला आया पेरिस! और अब मेरे सामने तुम कोई शैतानी न कर सकोगे ब्रोंटोसोर!

नागराज को पहचानकर लोगों में फैल गई उत्तेजना--

ये तो नागराज है, अब ये शैतान दैत्यजीव नहीं बचेंगे!

प्रदर्शन किया नागराज ने अपनी शारीरिक शक्ति का—
बोंऽऽऽ
एफिल-टॉवर से खींची उस आयरन एंगल से नागराज ने ब्रोंटोसोर की गर्दन को दो भागों में विभक्त कर दिया—
कच्चाक
ब्रोंटोसोर का वह भारी-भरकम सिर गिरा टॉवर की नींव हजम करते गोर्गोसोर पर—
धाड़!
पीछे-पीछे आया नागराज भी। उसकी मौत का संदेश लेकर—
दोनों दैत्य जीवों की मौत के पश्चात् पलक झपकते ही वहां लग गई भारी भीड़—
नागराज! विश्व के एक आश्चर्य को खण्डहर बनाने से बचा लिया तुमने!
विश्व की प्रत्येक धरोहर की सुरक्षा मेरा कर्तव्य है ऑफीसर!

और तभी--
नागराज! विश्व के इस आश्चर्य को तो तूने खण्डहर होने से बचा लिया, लेकिन अब तू स्वयं को खण्डहर बनने से न बचा सकेगा...

...देख तेरे सामने है बिच्छू थेड़!

बिच्छू थेड़! केकड़ाकंट के अंत के बाद मैं जानता था कि शीघ्र ही अब तुझसे भी मेरी मुलाकात निश्चित है! और मुझे तेरी ही प्रतीक्षा थी!

मौत की प्रतीक्षा नागराज ही कर सकता है। हा हा हा!
कैसा होगा इसका आक्रमण?

नागराज बचा गया उसके फेंके डंक का वार--
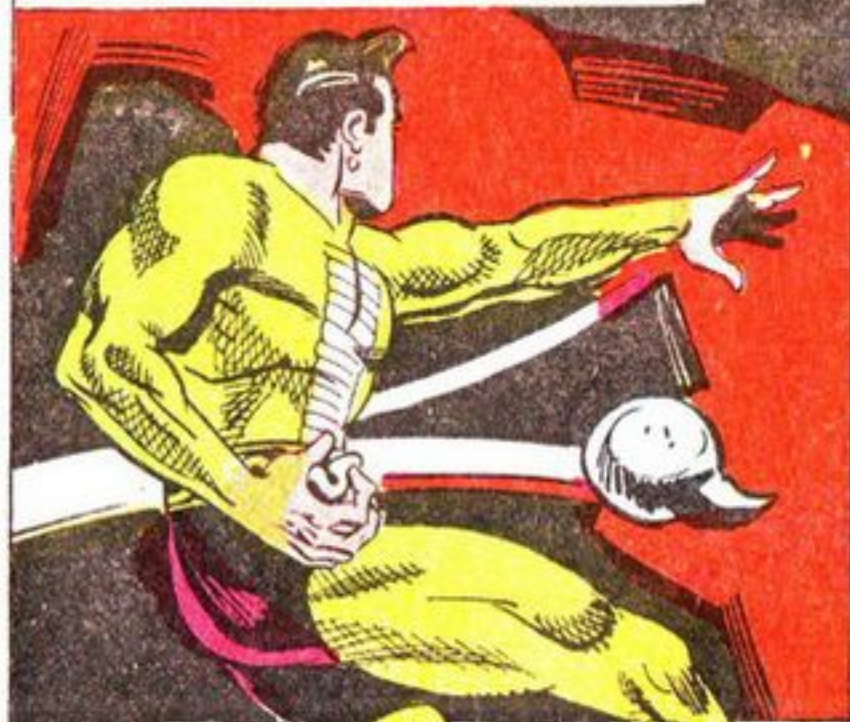
झट बाहर आ गई पुलिस-आफीसर की रिवॉल्वर--
नहीं ऑफीसर! इस पर आप अपनी गोली बर्बाद न करें!
??

नागराज! तूने ठीक कहा! बिच्छूधड़ा से नागराज की जंग के बीच क्या काम गोली और बारूद का। ले सम्भाल, आया जाल बिच्छुओं का...
नागराज की विष-फुंकार टकराई बिच्छूजाल से—
फूऽऽऽ
बिच्छुओं में अभी नागराज का विष पचा पाने का सामर्थ्य कहां बिच्छूधड़ा?
ओह! इसने तो मेरे बिच्छूजाल को काट डाला!
तेरा सिर मेरी आवश्यकता है। उसे वृश्चिका से काटकर ले जाऊंगा।
पर मेरा यह वार तू नहीं बचा पायेगा नागराज!
जरूर! किंतु पहले अपनी हड्डियां टूटने से बचा ले बिच्छूधड़ा!

छपाक
नागराज! अब तू देखेगा वृश्चिका की असली-शक्ति!
बिच्छूधड़ा के वृश्चिका से निकलकर वह चिंगारी टकराई ठीक नागराज के निकट जमीन पर—
क्या गुल खिलाने वाली है इसकी वृश्चिका?
जमीन से फूट पड़ा अंगारों का स्रोता—
ओह! जमीन से लावे व अंगारों का स्रोता फूट निकला है!

उफ! जल गया जिस्म!
वृश्चिका ने तूफान मचा दिया-
हा हा हा! नागराज! वृश्चिका से नहीं बचेगा तू अब!
नागराज का पीछा करने लगे मौत के वे स्रोते—
खूनी डायनोसोरों के अन्त के पश्चात उस खूनी मुठभेड़ को देखते लोगों में दहशत फैल गई—
भागो
लावा और चिंगारियां हमें जला-कर भस्म कर देंगे।
यह नागराज चीज क्या है? कैसे-कैसे शैतानों से टकरा जाता है।
ये बिच्छू धक्का तो पूरे फ्रांस की दौड़ लगवाकर छोड़ेगा!
तुम गलत कह गए नागराज! मैं तो अब चूहे-बिल्ली का ये खेल समाप्त करने वाला हूं!

वृश्चिका को "हल" की तरह चलाता बेहद तेजी से आया बिच्छूधड़ा—
हा हा हा! नागराज! बिच्छूधड़ा के हाथों ही लिखी थी तेरी भयानक मौत!
सर्प के समान बेहद तेजी के साथ दीवार पर चढ़ता चला गया नागराज--
ये शैतान बार-बार यह बात क्यों भूल जाते हैं, कि इनका पाला नागराज से पड़ा है!
वृश्चिका काटता चला गया उस दीवार को भी—
दीवार पर चिपके नागराज ने वार करने का यह अवसर भला क्यों चूकना था—
क्रोधित बिच्छूधड़ा ने नागराज के चारों ओर बना दिए कई छोटे-छोटे आग उगलते लावे के स्रोते—
ये छोटे-छोटे ज्वाला-मुखी भयानक तबाही मचा देंगे। अब बिच्छू-धड़ा का ये खूनी खेल बन्द करना पड़ेगा!

नागराज ने पुकारा महात्मा कालदूत की शक्ति को—
जय महात्मा कालदूत नागदण्ड!
नागदण्ड प्रकट हो गया नागराज के हाथ में—
नागदण्ड! इस तबाही को रोको!
महात्मा कालदूत की शक्ति ने रोक दिया उस तबाही को।
बिच्छूधड़ा! अब तू यहां और फुलझड़ियां नहीं छुटा पायेगा!
महात्मा कालदूत की शक्ति अब बढ़ी बिच्छूधड़ा की ओर—
वृश्चिका साधारण वृश्चिका बनकर रह गया—
उफ! इसने क्या जादू कर दिया! वृश्चिका की शक्ति अब काम नहीं कर रही!
नागराज! मैं हार नहीं मानूंगा! इस वृश्चिका में अभी इतनी ताकत शेष है कि ये तेरे टुकड़े-टुकड़े करके यहां बिखेर सके!
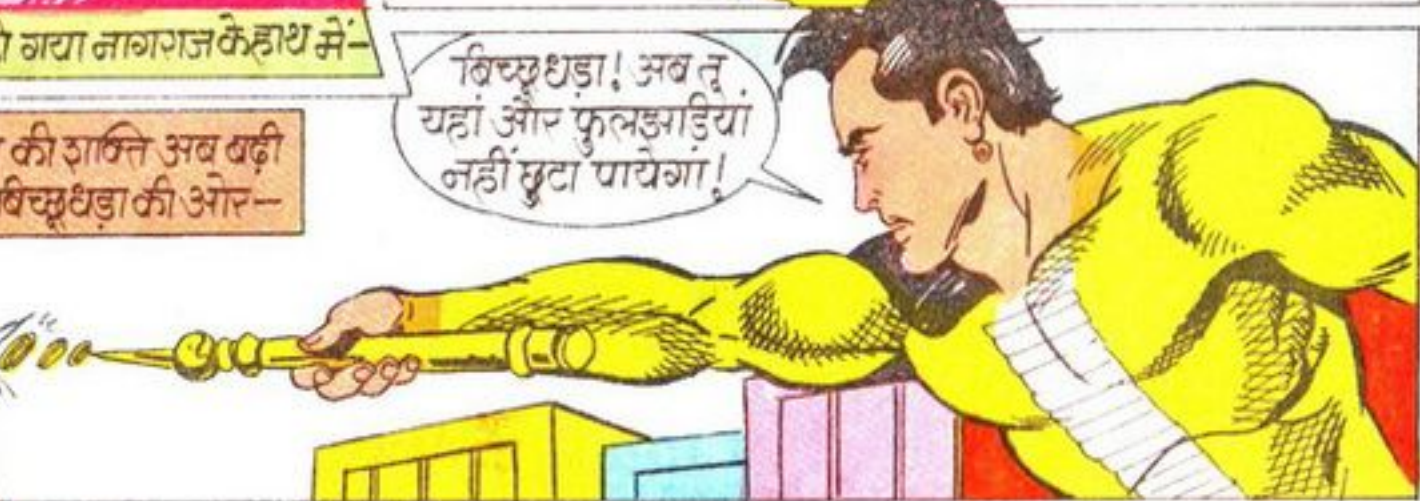
जिसकी छत पर मंडराया वह खौफनाक पक्षी—

कर्रा... कर्रा...
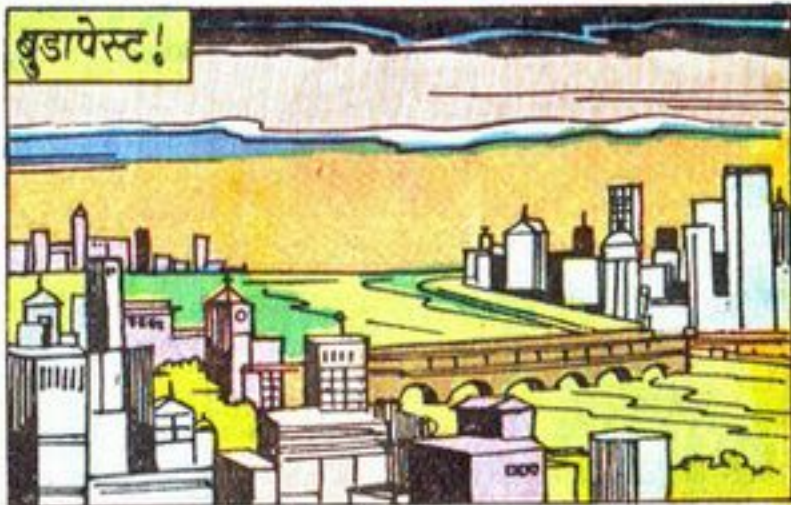
अपनी क्षुधा शांत करने को नीचे उतरा वह विशाल पक्षी, और—

कर्रा... कर्रा...

अरे! ड्रेगन टर्टल।

आह

किंतु दो से उसका क्या भला होता। उसे तो चाहिए थे, 'और'। 'और!'
क्वां...क्वां..
आह
क्वांङ्गो
दहशत फैला दी ड्रेगनटर्टल ने वहां, न जाने कहां से आ गया था शैतान!
थल हमला बेअसर साबित हुआ उस पर—
फायर
उफ! वह शिकार को लेकर तुरंत उड़ जाता है!
कोई करे तो क्या करे—
क्वां.. क्वां..
हेलिकॉप्टर से बरसाई गई उस पर गोलियां—
हेलिकॉप्टर को ऊपर लो! वह इधर ही आ रहा है। उफ!
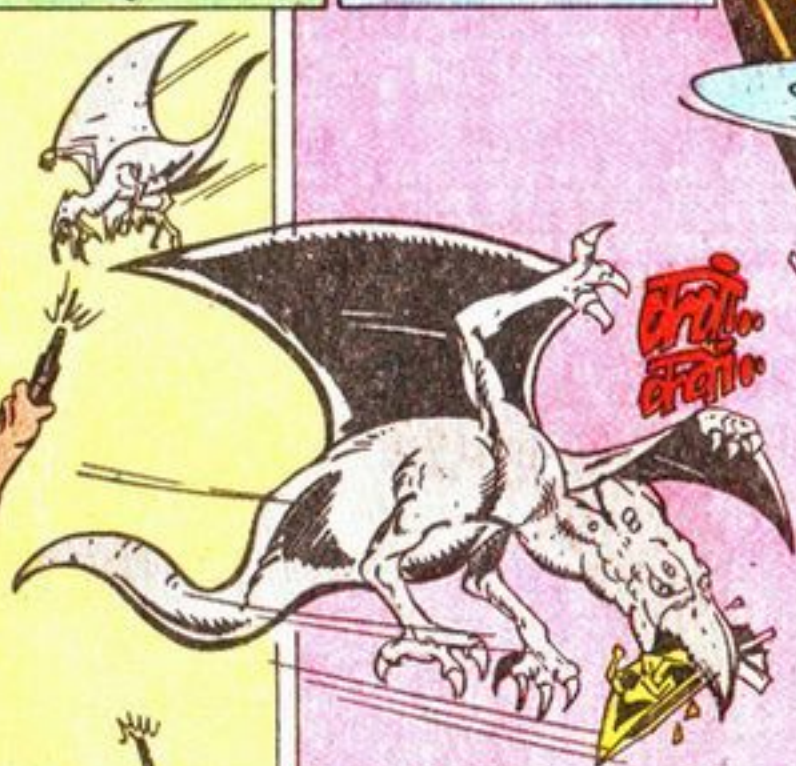
ड्रेगनटर्टल पर वह तरकीब भी नाकामयाब हो गई –
बड़ाम
और अब दिखाई पड़ा जेट –
जम्प
इसे चारों ओर से घेरकर भून डालो!
दुर्भाग्य!
कड़ाक
आकाश थर्रा उठा गोलियों व विमान के धमाकों से।
ब्रिज की ओर बढ़ा ड्रेगनटर्टल –
भागो! इसके विशाल डैनों से पुल क्षतिग्रस्त हो सकता है!
इसी पल कई सर्प झपट पड़े उस दैत्य पक्षी पर –
बुरी तरह जकड़ा गया ड्रेगन टर्टल –
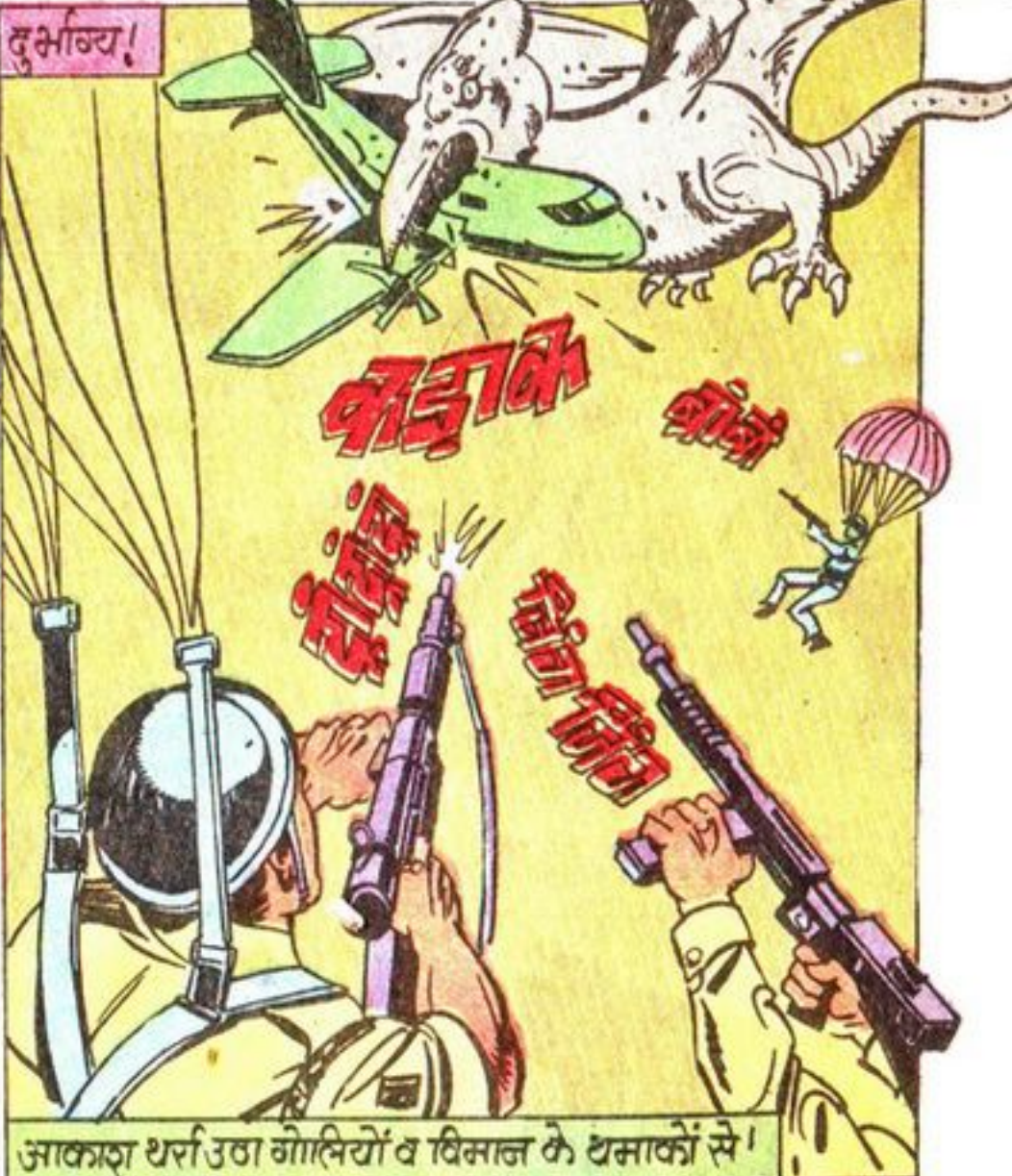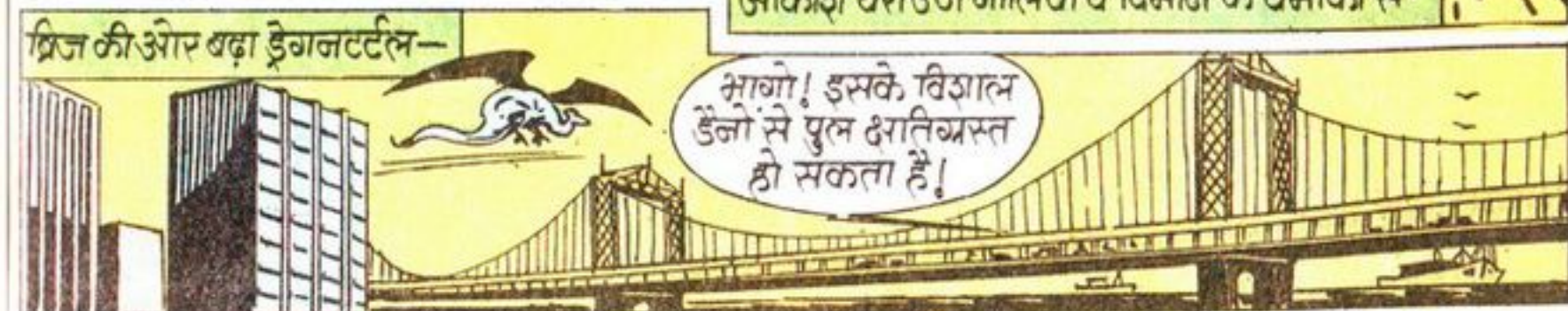
नागरस्सी पर उस दैत्य पक्षी के निकट ही लटका दिखाई दिया नागराज!
बरसों की तेरी भूख को अब नागराज शांत करेगा!
००० तेरा पेट विष से भरकर, शैतान ड्रेगनटर्टल!
विष का घना कोहरा सा छा गया ड्रेगनटर्टल के चारों ओर—
फड़फड़ाता हुआ ड्रेगनटर्टल स्वतंत्र हो गया नागराज की कैद
उफ! इसने तो सर्परस्सी के बंधन तोड़ डाले!
कड़क
बुरी तरह हिलकर रह गया चेन ब्रिज!
धड़ाक
नागराज भी उसी गति से आ गिरा ठीक उसके सामने—
धप!
और खिल उठा नागराज का चेहरा—
फिनीश!
मेरे विष से पेट तो भर लिया इसने पर उसे पचा नहीं पाया ये!
नागराज के विष की तीव्रता के कारण फिर मोम की तरह पिघलता चला गया ड्रेगनटर्टल!

आश्चर्यचकित से खड़े देख रहे थे सब उसे मानो वही हो विश्व का नवां आश्चर्य—
नागराज बुडापेस्ट में!
नागराज! अब लगता है कि बुडापेस्ट में तबाही को केवल तुम ही रोक सकते थे!
कोई न देख सका उस हैरत अंगेज चेंज को, जो अब रूप धारण कर नागराज के लिए मुसीबत बनने वाला था—
उस साये की केवल एक ही झलक देख पाए नागराज के प्रशंसक--
आह
भगदड़ मचा दी नागराज की उस परछाई ने—
आह! यह परछाई कैसी है, जो हमें पीट रही है। आह!
हा हा हा
पलभर में भीड़ तीतर-बीतर हो गई!
डेन्यूब नदी पर बने बुडापेस्ट के सबसे पुराने चेन ब्रिज पर रह गया नागराज....
उफ! भला यह क्या बला हुई?
...और उसकी परछाई—
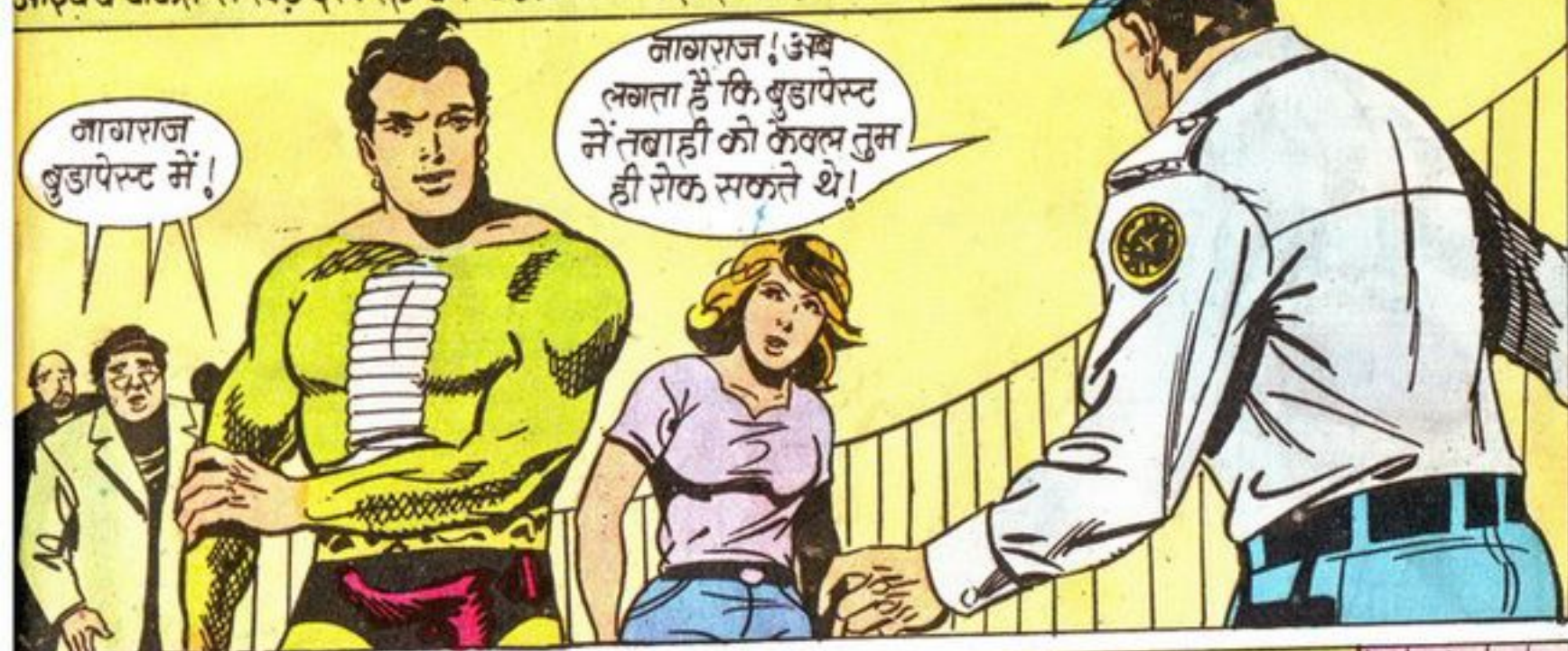
प्रकट हो गया इसी पल एक और शैतान!
नागराज! इससे तेरा परिचय करवाऊंगा तो होश उड़ जायेंगे तेरे।
मकड़ास्वादू! ओह, तो यह शैतान भी आ पहुंचा।
मकड़ास्वादू! मुझसे पिटते समय तू अपने होश कायम रख सकेगा या नहीं!
हा हा हा! तेरे इस जवाब पर मकड़ास्वादू खुश हुआ! अब सुन ले नागराज!
ये है तेरी परछाईं!
मेरी परछाईं? यह शैतान क्या कह रहा है?
दंग रह गया नागराज अपनी परछाईं गायब देखकर—
मेरी परछाईं मकड़ास्वादू की गुलाम?
नागराज! इस पर सम्भलकर वार करना! क्योंकि इस पर तेरा प्रत्येक वार उल्टा पड़ेगा तेरे ही ऊपर!
हा हा हा! नागराज! अब तू नहीं बचेगा अपनी ही परछाईं के हाथों! और तेरी मौत के बाद मकड़ास्वादू ही बनेगा विश्वसम्राट! हा हा हा!

मकड़ास्वाद ने अपने प्रथम भयानक वार के साथ ही युद्ध की घोषणा कर दी—
नागराज! इस परछाईं के साथ-साथ तुझे बचना होगा मेरी कंटील मूठ से भी!
उआह
नागराज फंसने वाला था मकड़ास्वाद के चक्रव्यूह में—
थड़
उफ्फ
हा हा हा! नागराज! बच इसके वारों से। इस पर प्रहार कर प्रहार। हा हा हा।
ऊंह
नागराज कलाबाजी खाकर पुन: ब्रिज पर वापस पहुंचा—
क्या रहस्य है इस परछाईं का?
क्या इसे मैं अपनी सर्परस्सी से बांध पाऊंगा?
परछाईं को जकड़ लिया नागराज की सर्प सेना ने—

दम निकलने लगा नागराज का—

आह! यह क्या? मुझे ऐसा क्यों लग रहा है जैसे मेरा गला किसी बंधन में जकड़ दिया गया हो! उफ!

जल्दी ही मकड़ास्वादु के शब्दों में छिपे भयानक सत्य का एहसास हो गया उसे—

ओहो! हम्फ मैंने अपनी परछाईं को सर्परस्सी से जकड़ने की चेष्टा की तो मेरा ही दम घुटने लगा! हम्फ

सर्प वापस बुला लिए नागराज ने—

ओह! अब जाकर राहत मिली है! मैंने तो अपनी ही मौत भेज दी थी परछाईं को जकड़ने को! हम्फ

परछाईं झपट पड़ी उसपर—

नहीं बचेगा नागराज! इसबार नहीं बचेगा तू!

उफ

तड़ाक

अपने ऊपर झपटती परछाईं पर नागराज ने जड़ दी एक ठोकर—
तड़ाक
तड़प उठा खुद नागराज भी—
हांय! ये वार भी उल्टा पड़ा मुझ पर!
मकड़ास्वादू अपनी इस कामयाबी पर बेहद प्रसन्न था—
नागराज की मौत का श्रेय विश्व-सम्राट को ही मिलना चाहिए।
और जब मेरा कोई दांव न चले तो मुझे प्रयोग करना है महात्मा कालदूत की शक्ति का...
नागराज ने विषफुंकार छोड़ी मकड़ास्वादू पर—
हा हा हा! नागराज आज तेरा कोई दांव नहीं चलने का।
क्या सचमुच?
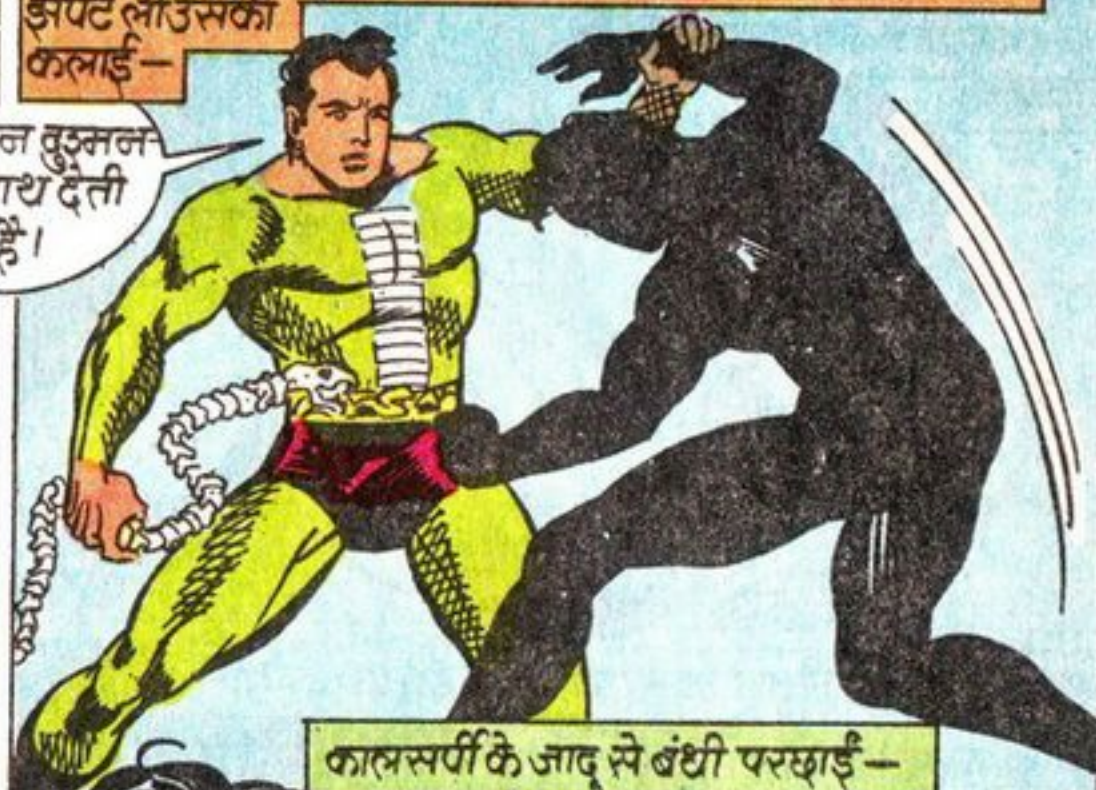
जय महात्मा कालदूत! कालसर्पी!
इसी पल परछाईं पुनः झपटी नागराज पर। और नागराज ने भी झपट ली उसकी कलाई—
शैतान दुश्मन का साथ देती है।
कालसर्पी के जादू से बंधी परछाईं—
...अब नागराज का मुकाबला न कर सकी और...
ओह! मेरी परछाईं ने अपना स्थान ग्रहण कर लिया है।
मकड़ास्वादू भी चौंक पड़ा—
मकड़ास्वादू दुखी हुआ, किंतु मेरे कंटील मूठ से नहीं बच पायेगा तू नागराज!
अविजित हैं महात्मा कालदूत की शक्तियाँ!
कंटील मूठ को अपने जबड़े में जकड़ लिया कालसर्पी ने—
कालसर्पी अब इस कंटील मूठ सहित तुझे भी सटक जायेगा मकड़ास्वादू!
नहीं...
घबराकर कंटीलमूठ को ही छोड़ बैठा शैतान।

अपनी नाकामयाबी पर क्षुब्ध हुआ वह निहत्था ही झपटा नागराज पर—
नागराज! मैं निहत्था भी ताकतवर हूं! तू मेरा मुकाबला नहीं कर पायेगा!
नागराज ने न सिर्फ वार ही बचाया, बल्कि उसे जकड़ दिया रेलिंग के तारों से—
अपनी भरपूर ताकत दिखाने का अवसर तुझे दूंगा मकड़ास्वादू!
मकड़ास्वादू तो फिर मकड़ास्वादू ही था! घातक•••
सर्रर्र..
•••और अति जहरीला भी—
नागराज! मेरा यह चेहरा देखने वाला तू प्रथम व अंतिम मानव है!
ओह! यह है मकड़ास्वादू का भयंकर रूप!
भयानक चीत्कार करता मकड़ास्वादू नागराज पर झपटा—
नागराज...
नागराज का प्रचण्ड शक्तिशाली वार—
मकड़ास्वादू! पिछली बार तू मेरे हाथों से बच निकला था, लेकिन अब तेरा बचना असम्भव है!
धूकम

नागराज ने प्रत्युत्तर दिया उसके घूसे का! और शैतान ने दबोच लिया नागराज का हाथ ही—
उफ
नागराज ने जकड़ ली उसकी गर्दन—
गर्दन पर नागराज के पंजे का कसाव बढ़ते ही खुल गया मकड़ास्वादु का मुंह!
नागराज का यह वार बेहद शक्तिशाली था—
मकड़ास्वादु! केकड़ा-कंट और बिच्छूधड़ा की तरह मुझे समाप्त करने की तेरी इच्छा भी अधूरी रह जायेगी ...
... इस बात का मुझे सख्त अफसोस रहेगा!
आह
कालसर्पी के दंश से भी बच न सका मकड़ास्वादु—
सक...
आह
इसी के साथ गायब हो गई मकड़ास्वादु की लाश!
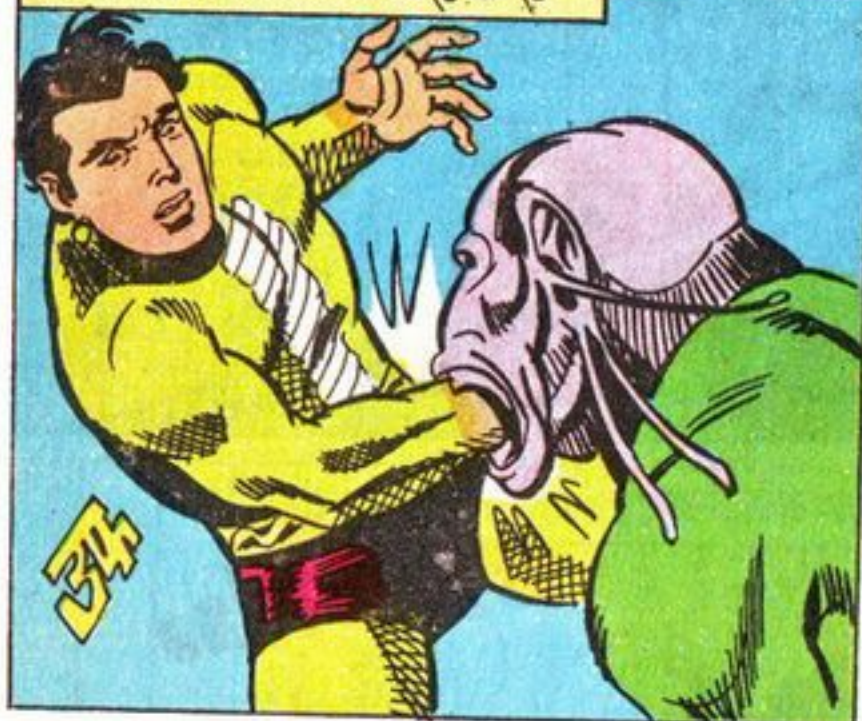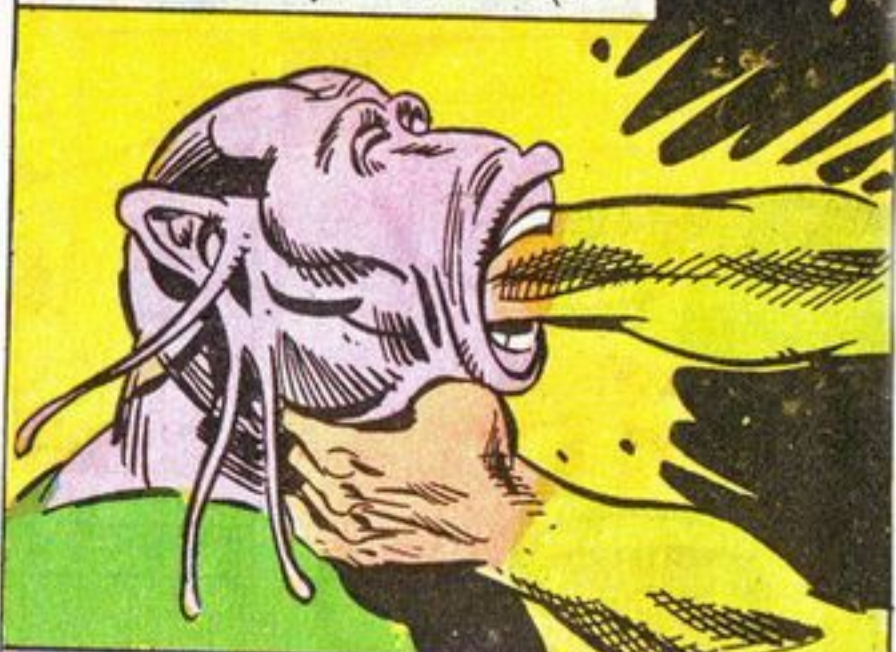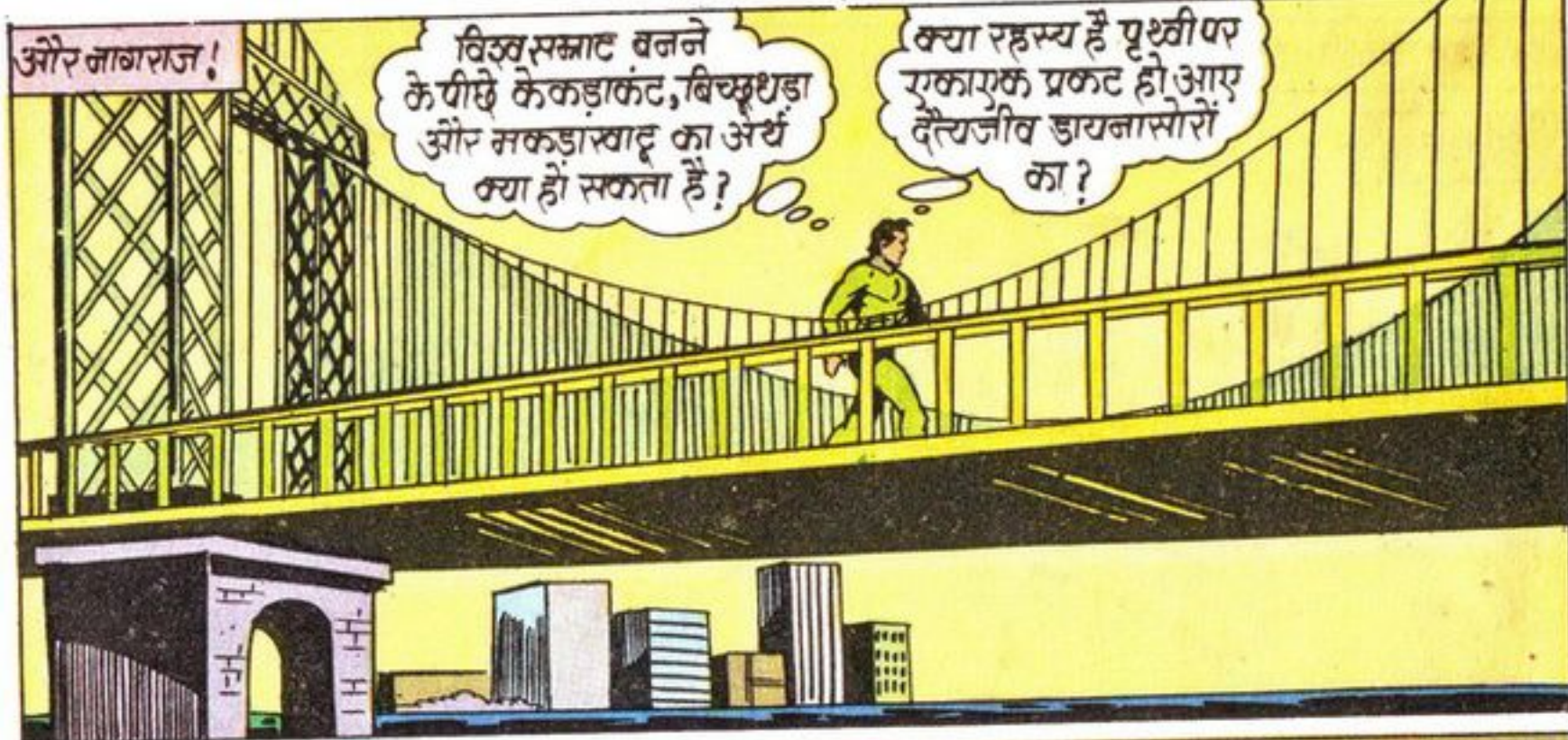
और नागराज!
विश्वसम्राट बनने के पीछे केकड़ाकंट, बिच्छूधड़ा और मकड़ास्वादू का अर्थ क्या हो सकता है?
क्या रहस्य है पृथ्वी पर एकाएक प्रकट हो आए दैत्यजीव डायनासोरों का?
नागतांत्रिका इच्छाधारी नागिन नगीना के खूबसूरत पतले विष भरे अधरों पर थी विषैली मुस्कान–
पहले केकड़ाकंट फिर बिच्छूधड़ा और अब तुमने मकड़ास्वादू को भी लाश में बदल दिया नागराज!
तुम सचमुच महान् हो नागराज! लेकिन नगीना से नहीं जीत पाओगे तुम!
इसबार नगीना अपनी तंत्र-मंत्र की शक्ति का ऐसा जाल फेंकेगी, जिसकी काट न होगी तुम पर नागराज!

उस सुबह विश्व के कई देशों में हंगामा मच गया—

अमेरिका!

ग्रेट ब्रिटेन!
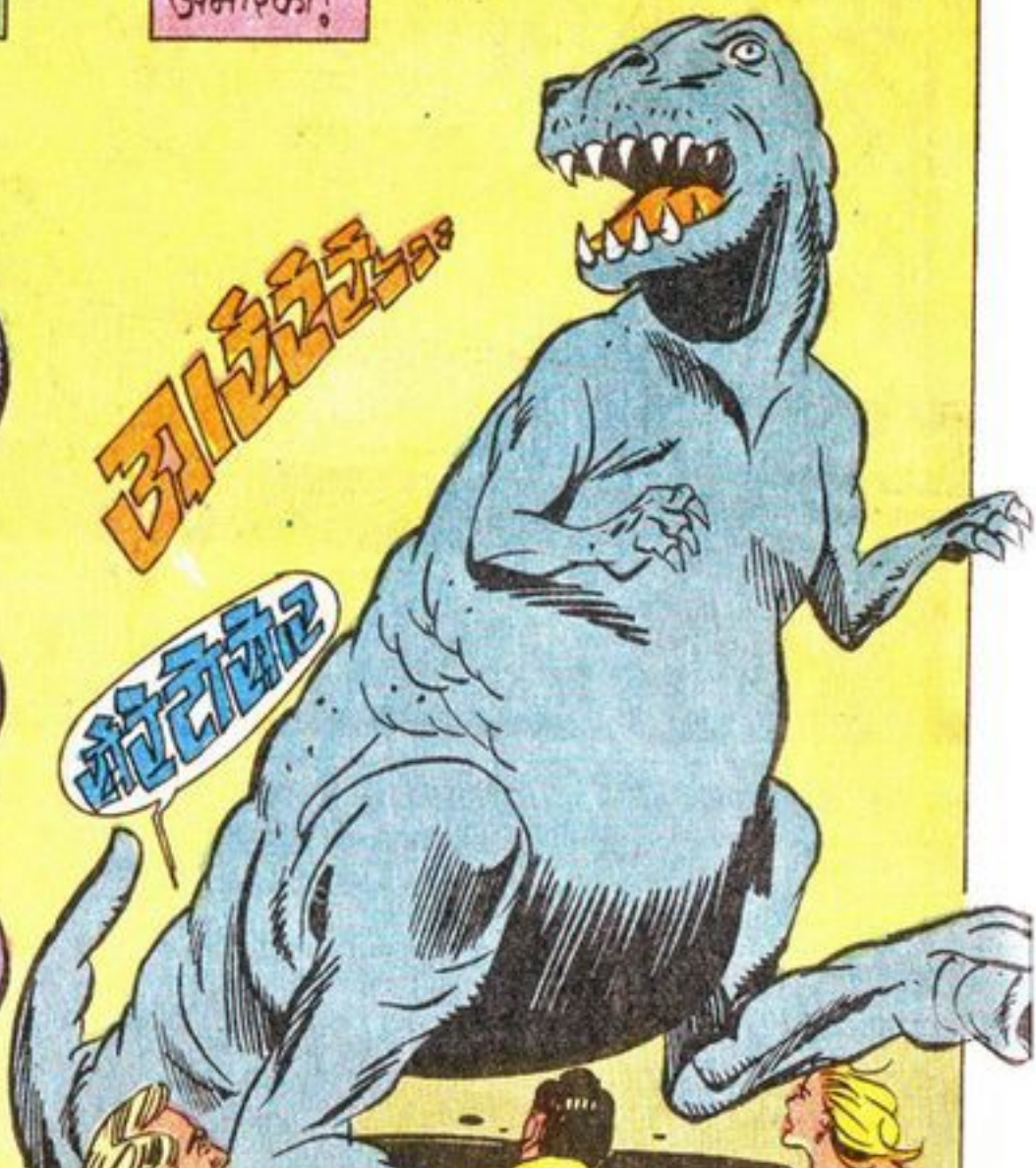
जर्मनी, भारत! जापान!

विश्व के कोने-कोने में फैले हुए थे दैत्य डायनोसोर—

भागो

और फिर शुरू हुआ मौत का ताण्डव!
क्रियां
पूरी बिल्डिंग को मलबे का ढेर बना दिया है इस राक्षस ने भागो!
तबाही! आतंक! मौत!
इमारतों की दीवारें फोड़कर घरों में घुस गए शैतान!
ग़ार्रे
खून के प्यासे, बरसों के भूखे लग रहे थे दरिन्दे—
बचाओ
आऽऽऽ
ग़ार्रे
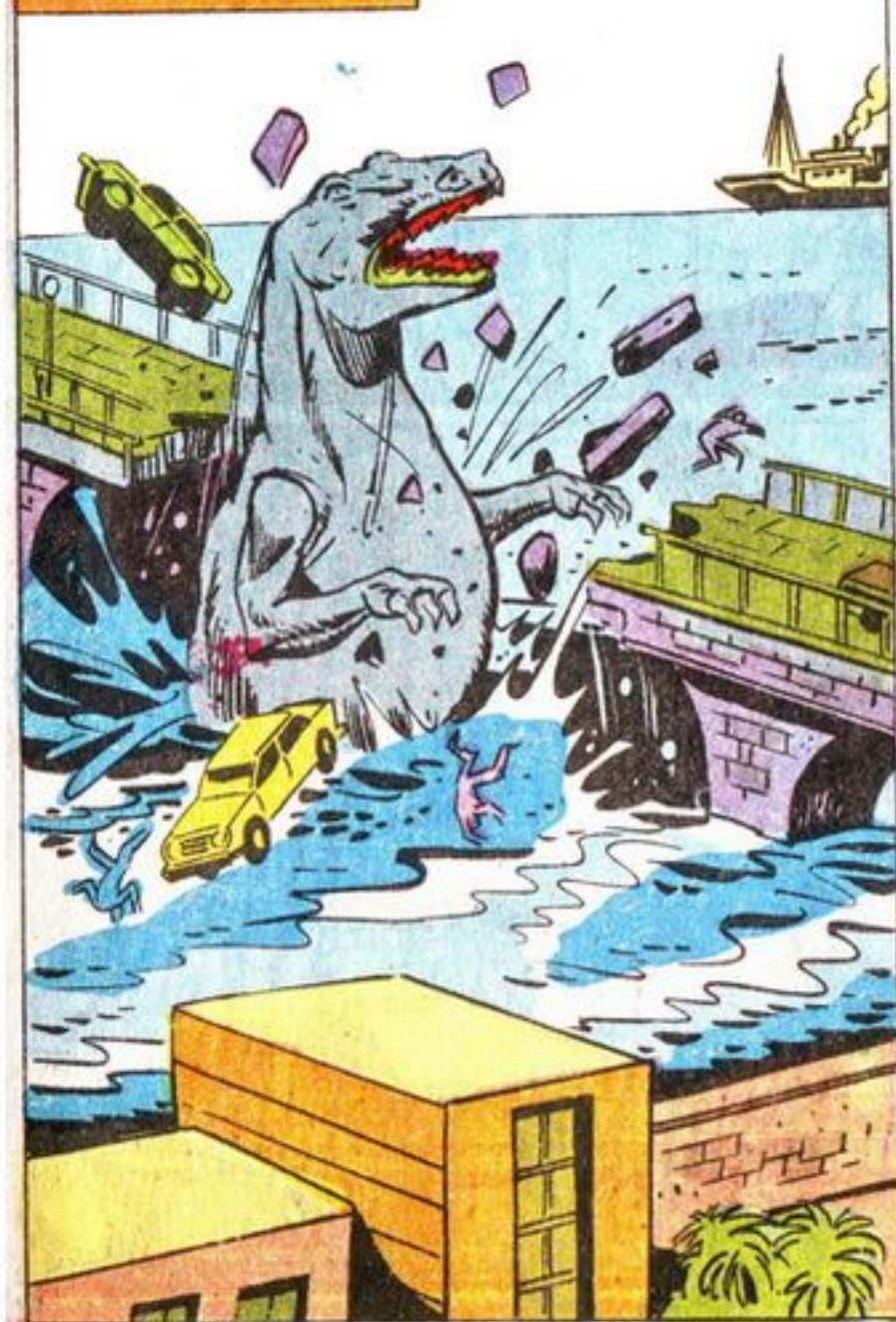
विश्वभर की सरकारों ने अचानक आ धमके इस संकट का अपने-अपने शक्तिस्रोतों से भरपूर सामना किया—
हैण्डग्रेनेडों से भर दो इसका पेट।
किचों
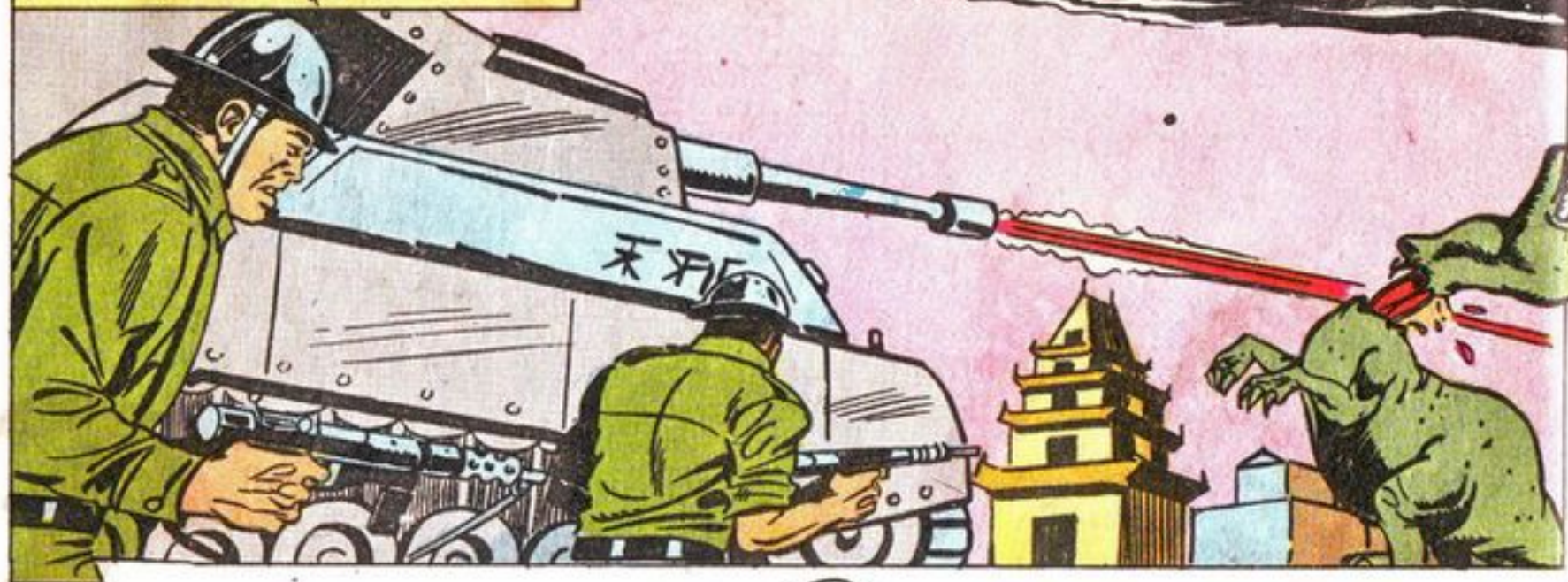
लेकिन वह सब उपाय बौने साबित हुए।
उफ! ये तो और आ गए!
चिंयां
चिंयां
तहलका मच गया पूरे विश्व में—
इन जीवदैत्यों को शहर में प्रवेश करने से रोकना होगा।
पूरे देश में आपात स्थिति की घोषणा कर दो। जहां आवश्यक हो कर्फ्यू लगा दो!
अपनी सम्पूर्ण शक्ति जुटाकर इन्हें समाप्त करो!
पूरे विश्व की निगाहें टिकी थीं इस समस्या पर—
U.N.O. यानी UNITED NATIONS ORGANISATION! जहां चल रही थी विश्व के कई राष्ट्राध्यक्षों के प्रतिनिधियों की एक बेहद गोपनीय मीटिंग!
इस समय विश्व के सामने सवाल यह नहीं कि लाखों वर्ष पूर्व लुप्त हो गए दैत्यजीव डायनोसोर आज एकाएक कहां और किधर से पुनः प्रकट हो गए धरती पर...

और वह शर्त है कि विश्व के सभी देश मिलकर मुझे यानी नागतांत्रिका इच्छाधारी नागिन नगीना को विश्व-सम्राज्ञी घोषित कर दें।

UNO

...अन्यथा पृथ्वी की जनसंख्या से दोगुनी जनसंख्या आप पृथ्वी पर पायेंगे इन डायनोसोरस्स की। हा हा हा!

ओह! तो इस शैतानी हरकत के पीछे इसी का दिमाग है!
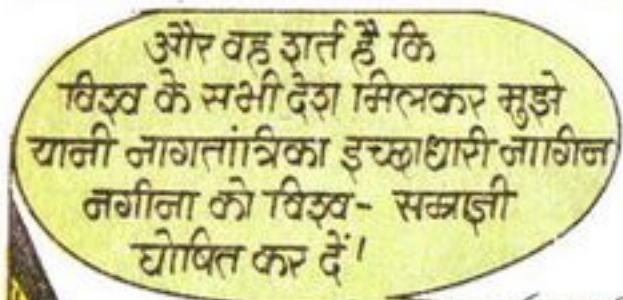
ओवर-कोट उतारकर अपने वास्तविक स्वरूप में आ गया नागराज!
नागतांत्रिका इच्छाधारी नागिन नगीना! मुझे पहचान ले। मेरे रहते तू अपने शैतानी मकसद में कभी सफल नहीं हो सकती।
नागराज?
नागराज को देखकर भयानक अट्टहास कर उठी नागतांत्रिका—
हा हा हा! नागराज! तेरी तो कब से प्रतीक्षा थी नगीना को!
केकड़ाकंट, बिच्छूधड़ा और मकड़ास्वादू तो तुझे समाप्त कर ना सके, किंतु अब मेरे बिछाए जाल से न बच सकेगा तू। अपने तीनों साथियों की मौत का तुझसे भयानक बदला लेगी नगीना!
उफ! मेरे कारण कहीं ये पूरी बिल्डिंग ही न गिरादे! मुझे यहां से निकल जाना चाहिए!
नागराज तुरंत पच्चीसवीं मंजिल से नीचे कूद गया
उफ! नागराज पच्चीसवीं मंजिल से कूद गया है!
नगीना के जाल से नहीं बच पायेगा नागराज! हा हा हा!
तब पलटी नगीना—
मैं तुम सबको सोचने का उतना समय देती हूं, जितने समय तक नागराज मेरे हाथों एक भयानक मौत नहीं मारा जाता। उसके बाद तुम सब होंगे पृथ्वी पर हुई तबाही के जिम्मेदार!

इधर धरती पर पांव रखते ही नागराज को घेर लिया मुसीबतों ने—
ओह! जिसे अवसर मिलेगा, वह वहीं से उधेड़ देगा मेरी बोटियां।
किया ऽऽऽ
इन पर मेरा बस यहां नहीं चलने का! शहर को तहसनहस होने से बचाने के लिए इन्हें यहां से कहीं और ले जाना होगा!
और नाग-सम्राट नागराज ने किया बुरी तरह घबरा जाने का अभिनय!
भागो!
नगीना अब मेरी मौत से पूर्व विश्व में और कोई तबाही नहीं मचाएगी!
उस क्षण के आगमन से पूर्व ही मैं समाप्त कर दूंगा उस दुष्टा को!
धरती-आकाश! कहीं न बख्शा नगीना ने नागराज को—
नागराज! आज मैं तेरा पीछा पाताल तक भी नहीं छोड़ूंगी!
क्रिची
ओह! नहीं
नागराज फंस गया उन भयानक जबड़ों में—
उफ! क्या मैं इसका लंच बनने जा रहा हूं!
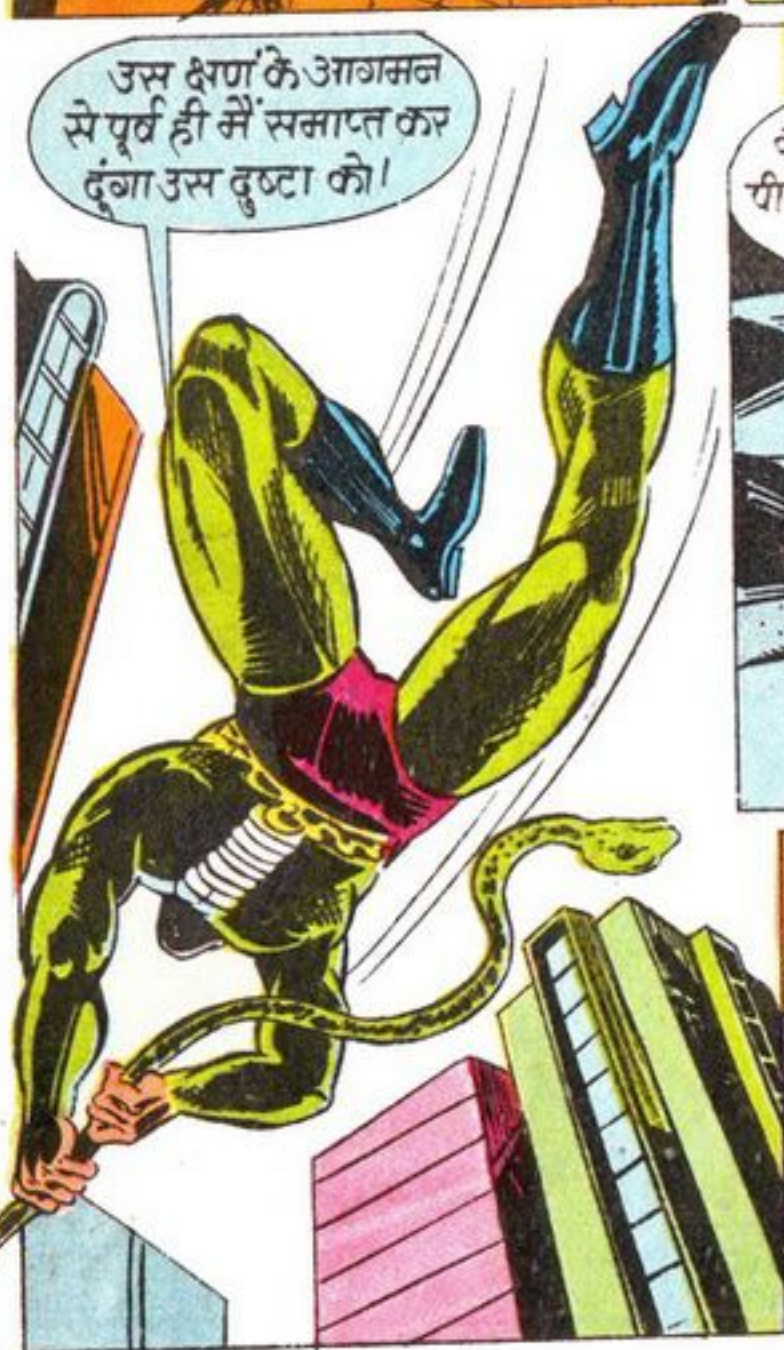
नागराज की मौत पर लगी थी सम्पूर्ण मानवता दांव पर--
नहीं! शीघ्र ही कुछ करना होगा मुझे!
हा हा हा! नागराज! तेरा खेल खत्म!
सख्ती के साथ भिंच गए नागराज के जबड़े!
और--
पसीने से नहा गया नागराज अपने इस प्रयास में--
नगीना भी मान बैठी नागराज की हिम्मत का लोहा--
वाह नागराज! अगर तुम मेरे साथ दोस्ती का हाथ मिला लो तो मैं तुम्हें ही चुन लूंगी अपना विश्व सम्राट!
कदम-कदम पर फैला रखा था नगीना ने अपना जाल!
यह नगीना का जाल है नागराज!
उफ
बेहद तीव्र गति के साथ रोलर धकेलता आया वह दैत्य!

पीड़ा से जिस्म का सारा खून उसके चेहरे पर जमा हो गया जैसे—
शहर के बीच रहकर मैं इनके आक्रमण का जवाब नहीं दे सकता। अन्यथा सैकड़ों बेगुनाह लोग मारे जायेंगे।
दूसरी ओर से भी चला आया एक शैतान सड़क कूटता हुआ। नागराज जूझ गया उससे भी—
फिर एक झटके से नागराज उन दोनों के रास्ते से अलग हट गया, परिणामस्वरूप भीषण धमाके के साथ टकरा गए दोनों रोलर्स—
भड़ाक
आगे बढ़ा नागराज और उसका रास्ता फिर रोक लिया नगीना ने।
बच नागराज! पेलोस्पाइनल्स से बच!
ओह!
नगीना! तू समझती है कि ये मुझे मार सकता है।
अपना ध्यान अपने बचाव में लगा नागराज!

नागराज से थी पेलोसाइनस की टक्कर!
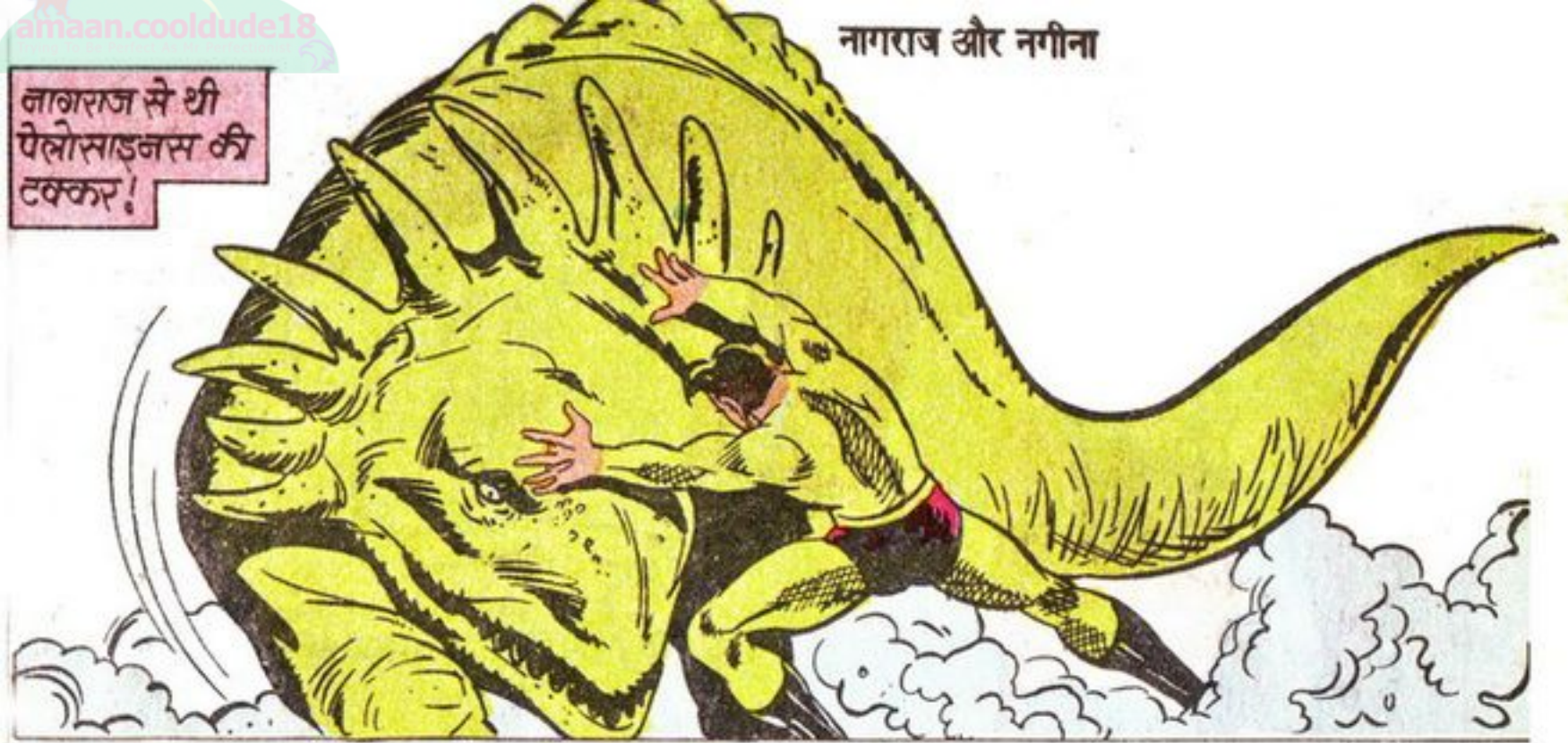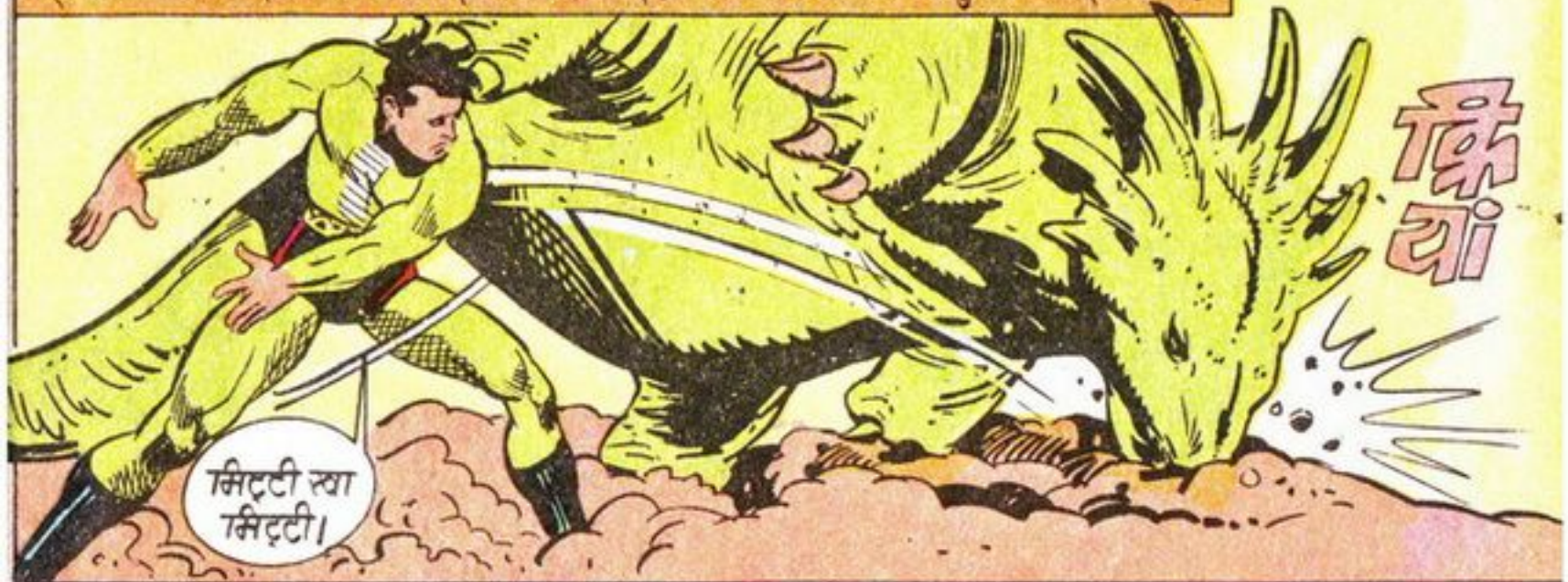
खूंख्वार दैत्यजीव डायनोसोरस! लाखों वर्ष पूर्व जिनका अस्तित्व समाप्त हो चुका है। आज लाखों वर्ष पश्चात् धरती पर पुनः उसी युग का दृश्य उत्पन्न कर रहे थे-- और विश्व से अपराध व आतंकवाद को मिटा देने का अपना सफर जारी रखते हुए नागराज आ पहुंचा था उन्हीं दैत्यों के बीच।
ओह! ये सब एक साथ आक्रमण करने के मूड में दिखाई पड़ रहे हैं।
नगीना भी पीछे-पीछे ही आ पहुंची!
हा हा हा! नागराज! इन सबकी संयुक्त शक्ति से नहीं जीत पायेगा तू।
क्रियांऽऽ
क्रोंक

नागराज ने भी कमर कस ली इस चुनौती से निबटने के लिए।

आओ शैतानो! नगीना की मौत से पहले तुम ही आओगे।

भयानक विष फुंकार ने भयानक असर किया...

फिस्यां...

पिरामिडों की नागिन सौडांगी निकल आई नागराज की मदद के लिए—

सौडांगी

नागराज! मैं भी इन दैत्यों के लिए मुसीबत बन सकती हूं।
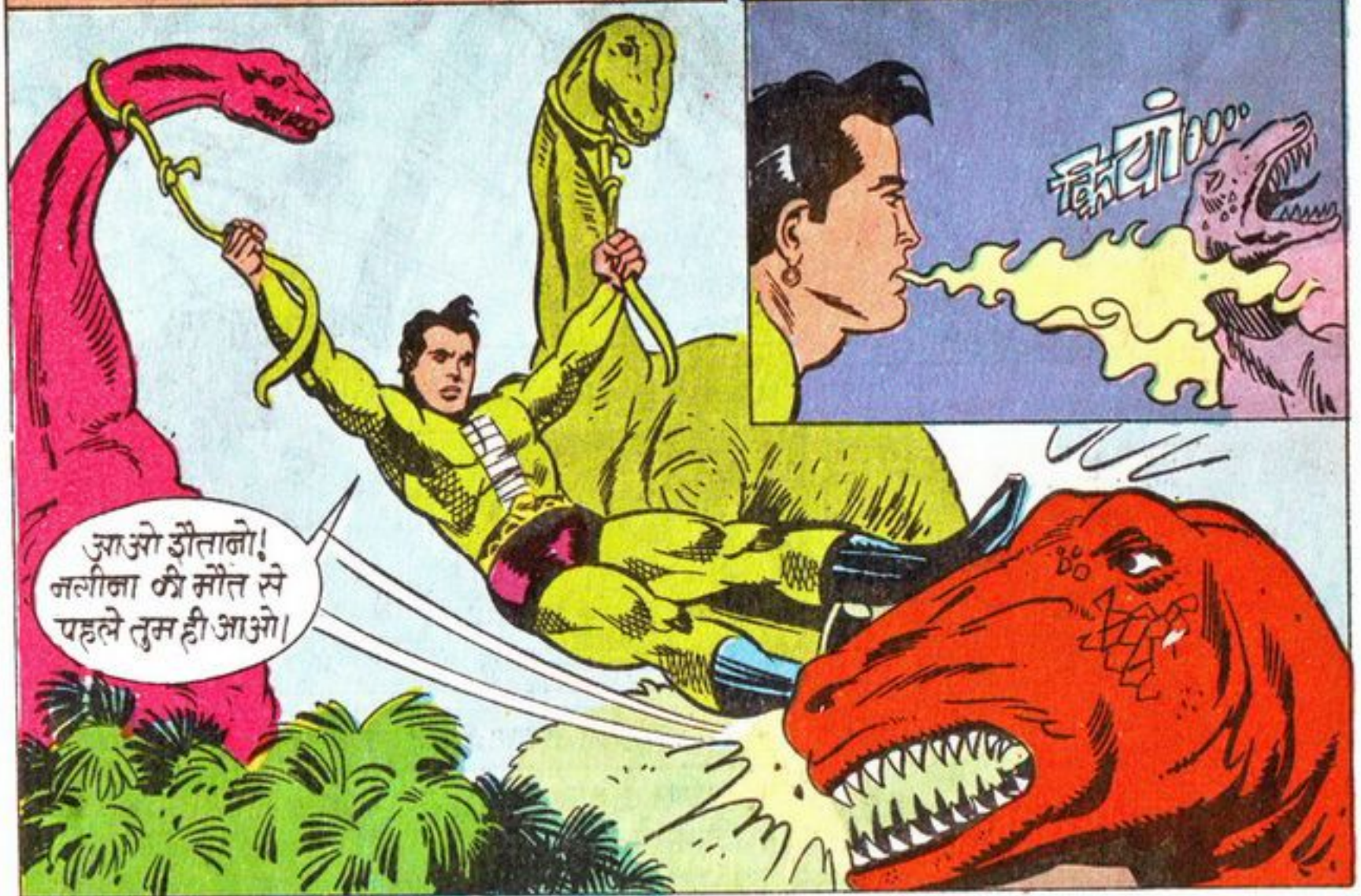
मौत बनकर लिपट गई सौडांगी दैत्य से—

क्रीक!

तेरी सांस अब नीचे की नीचे और ऊपर की ऊपर ही रह जायेगी बच्चू!

सर्प रस्सी से कस दिया उसने एक डायनोसोर को और फिर सर्प रस्सी छोड़ते ही—

चल बेटे! तुड़वा अब अपनी हड्डियां!

नागराज को फाड़ खाने को लपका वह डायनोसोर। शीघ्र ही बचा नागराज—

ओह! बाल-बाल बचा!

नागराज ने छोड़ा तीव्र सम्मोहन—

ये भी गया!

इधर सौडांगी ने एक के बाद एक गिरा दीं कई डायनासोरों की लाशें—

नागराज के दुश्मनों के जिस्म से लहू का एक-एक कतरा निकाल लेगी सौडांगी!

नागराज जूझ गया उस मौत से भी — नागराज ने चीर डाला उसका जबड़ा-
लगता है तुझे भी अपनी जिंदगी प्यारी नहीं है।
किर्र
नगीना फोड़ती चली गई अण्डे —
नगीना के जाल से आज नहीं बचेगा नागराज!
तड़ाक
सौडांगी अपने इच्छाधारी रूप में प्रकट हुई—
चट चटाक
नागराज! इसे और अण्डे फोड़ने से रोकना होगा।
कोई फायदा नहीं! अण्डे अब स्वयं ही फटने लगे हैं।
सौडांगी! तुम तुरन्त मेरे जिस्म में प्रवेश करो।
किन्तु नागराज?
नागराज के आदेश के आगे सिर झुकाना पड़ा सौडांगी को।
दुष्ट नगीना! नागराज तेरा जाल तोड़कर रहेगा।
नागराज! तेरे लिए मैंने एक विशेष मौत का प्रबंध किया है।
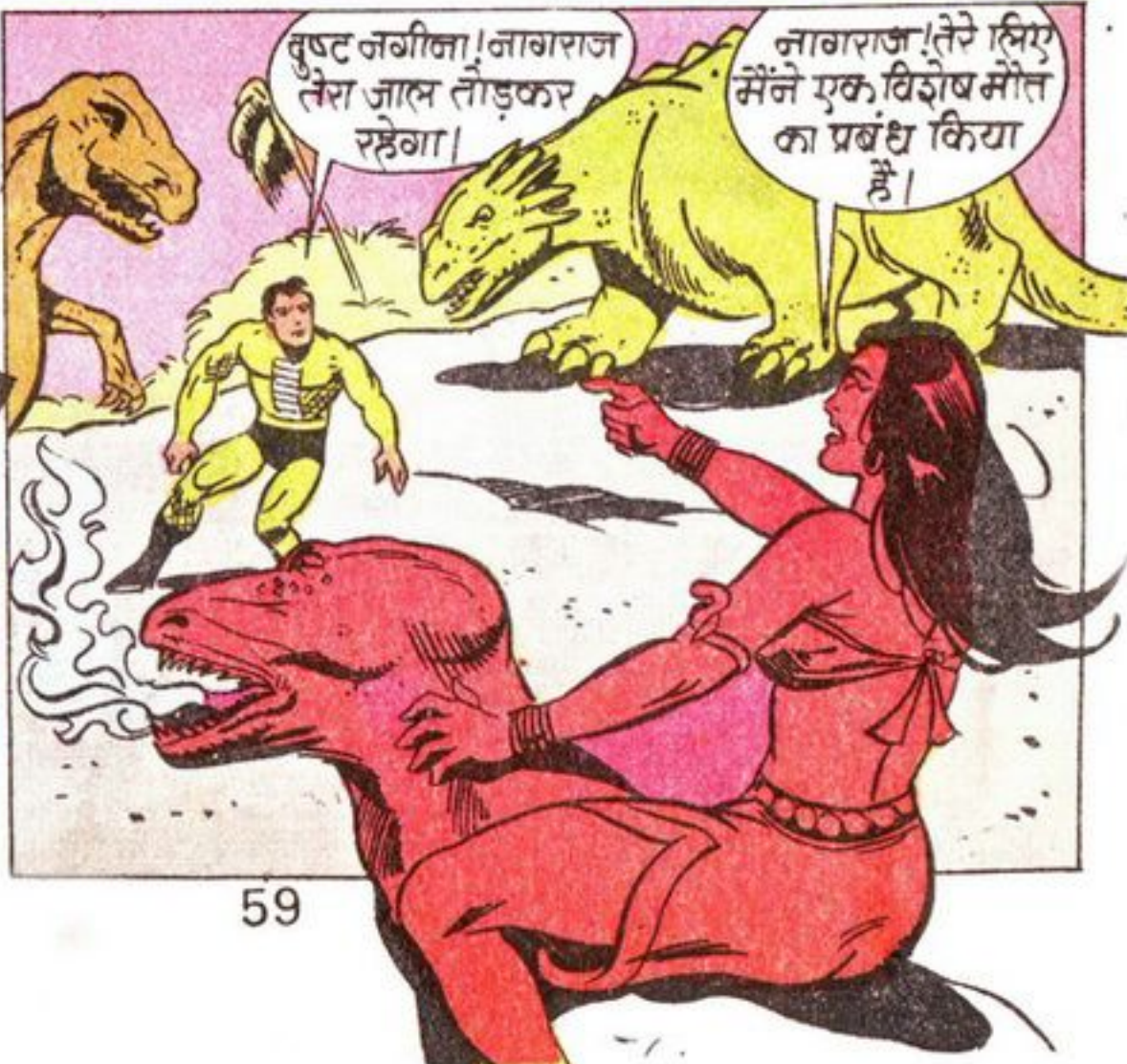
नगीना के तंत्र-मंत्र का एक और जबरदस्त प्रहार हुआ नागराज पर। इस बार बच नहीं सका नागराज—
फुर्रर्र
ओह
और—
नागराज! तेरे जिस्म का एक-एक टुकड़ा सम्पूर्ण विश्व की सरकारों को भेजूंगी, ताकि उन्हें इस बात का यकीन हो जाए कि नगीना के जाल से कोई नहीं बच सकता...
...और नगीना को उन्हें शीघ्र ही विश्व सम्राज्ञी मान लेना चाहिए।
उफ! नगीना की इस कैद में मैं हिल भी नहीं पा रहा।
दुष्ट नगीना! पिछली बार तू मेरे हाथों से बच निकली थी, किंतु इस बार नागराज तुझे भागने नहीं देगा।
नगीना भागेगी नहीं नागराज! इस बार नगीना नहीं भागेगी। तुझे पीड़ा से तिलमिलाता हुआ देखेगी नगीना। हा हा हा।

नागराज की गर्दन पर आरी रख दी दुष्टा ने—
इस समय मैं चाहकर भी अपनी किसी शक्ति का इस्तेमाल कर पाने में असमर्थ हूं। कैसा जाल बुना है इस दुष्टा ने ? उफ!
अलविदा नागराज! अलविदा। हाहाहा
अब नागराज के पास था केवल वही एक मार्ग—
हे महात्मा गोरखनाथ! मुझे अब इस संकट से आप ही बचा सकते हैं।
प्रकट हो गए महात्मा गोरखनाथ—
नागराज! सम्भालो अपने आपको। तुम किसी कैद में नहीं हो। नगीना ने तुम्हारी आंखों को दृष्टि भ्रम में डाल दिया है। मैं उस दृष्टि भ्रम को तोड़ रहा हूं।
दृष्टि भ्रम टूटते ही चौंक पड़ा नागराज—
ओह! मैं तो एक चट्टान पर लेटा हूं! आह।
नागराज! तड़पा-तड़पा कर हलाल करूंगी मैं तुम्हें। तुम्हारा कटा हुआ सिर वापस धड़ से न जुड़ पायेगा अब।
यह नहीं जानती थी नगीना कि बाजी अब पलट चुकी है।
नगीना! अब वो समय आ गया है कि मैं तेरे जिस्म के विभिन्न टुकड़े विश्व की सरकारों के पास भेज दूं ताकि तेरे जैसे मानवता के दुश्मन इस सच्चाई को समझ लें कि नागराज के रहते उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं हो सकते।
आंखों में हैरानी के सैकड़ों चिन्ह लिए नगीना धड़ाम से आ गिरी चट्टान पर—
ओह

उछलकर खड़ा हो गया नागराज।
मैंने कहा था न नगीना कि तेरा जाल अब तोड़ दूंगा।
मेरे दृष्टि-भ्रम से कैसे स्वतन्त्र हो गया ये।
बिल्ली की तरह झपट पड़ी वह नागराज पर—
नागराज! मैं हार नहीं मानूंगी। तुझे मरना होगा।
ओह!
फिर जा पहुंची वह अपनी सेना के बीच, चीखकर आदेश देती हुई—
जाओ! जाओ! खत्म कर दो नागराज को! तहलका मचा दो। नागराज बचना नहीं चाहिए।
ओह! अब मुझे काम लेना होगा महात्मा कालदूत की तीनों शक्तियों से।
तीनों शक्तियां प्रकट हो गईं नागराज के हाथों में—
कालसर्पी का खूनी जबड़ा भयानक व विशाल रूप धरकर निगलने लगा खूनी डायनासोरस को—
कालसर्पी! जाओ! इन खूनी डायनोसोरों को आसानी से पचा पाओगे तुम।
कालदूत की शक्ति त्रिशूल ने रोक लिया नगीना को और नागदण्ड ने उसे कस दिया एक मजबूत बंधन में—
नगीना! तेरे लिए भी मैंने एक विशेष मौत चुनी है।
आह! नहीं
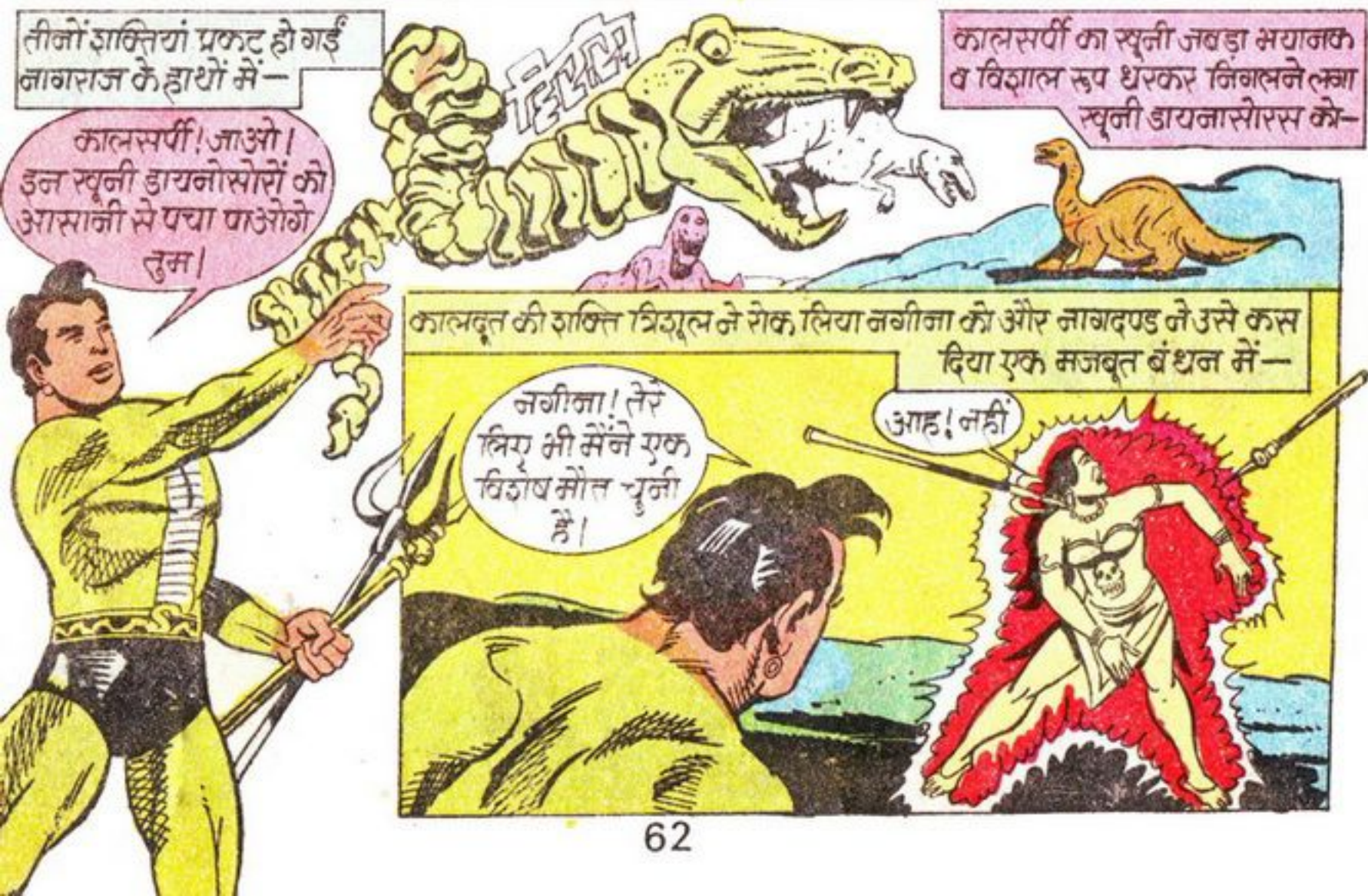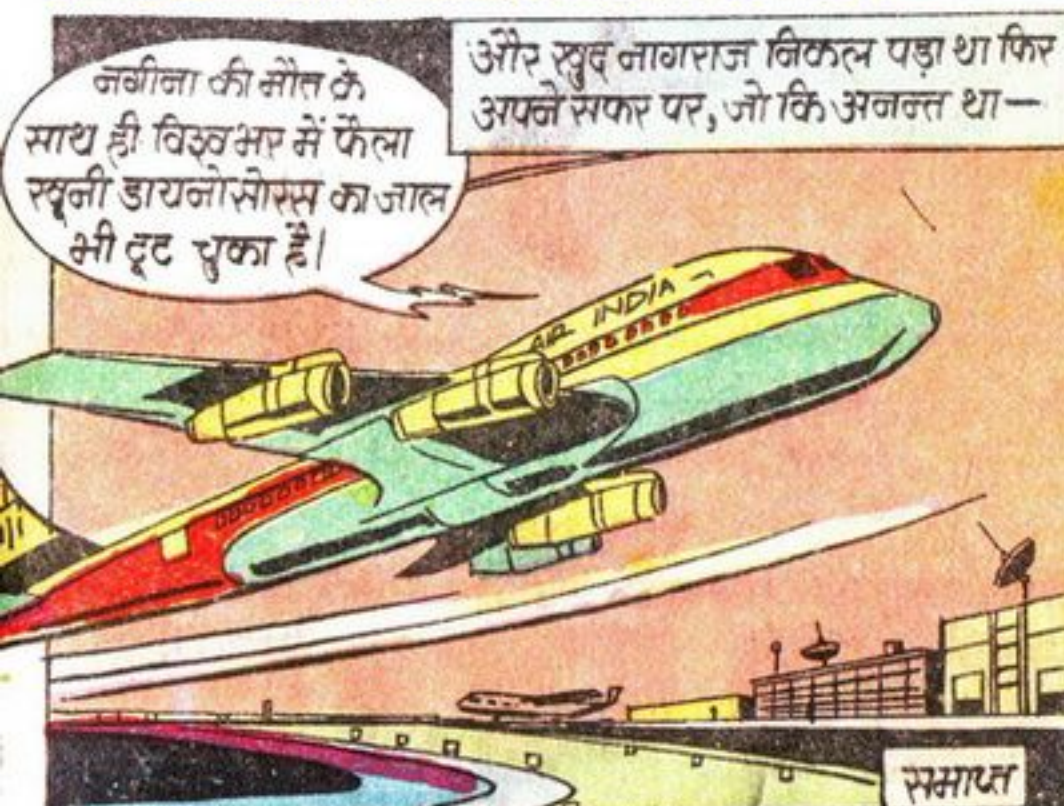
प्रिय पाठको,

सस्नेह।

नागराज और नगीना की कहानी एवं चित्र आपको कैसे लगे ? हमें अपनी राय से पत्रों द्वारा अवश्य सूचित करें। आप सबने नागराज की पूर्व चित्रकथा नागराज और मिस्टर 420 को पसंद किया उसके लिए धन्यवाद। नागराज की आगामी चित्रकथा 'थोडांगा की मौत' नागराज की एक बेहतरीन चित्रकथा बनी है जो शीघ्र ही आपके हाथों में होगी।

आपका प्रिय :—मनीष गुप्ता (सम्पादक)
1603, दरीबा-कलां, दिल्ली-6